





29

श्री आर्या पुद्गापाचमिका नाम पूरणा
शुद्धार्थ

नो ५३९ पौष शुक्ल द्वादशी

धर्मरत्न ब्रज्जाचार्य सुरत श्री महाविहार

DH74-2

१३ तमः श्रीसर्ववृद्धे का विमलवराः
 तमिनाये ॥ गायथा ॥ अहिकिस्सिगेठ
 समयमृद्धे कूटक थागमः दिक्कात
 विमलसमूहयथा मला कूटकवराः
 वमलादवकाया ॥ दध्यावमलायिथ
 वेयमुखादिमलादवकासि जमकादव



॥ तमः श्रीसर्ववृद्धे का विमलवराः
 निविजयखाहा ॥ अहिकिस्सिगेठ
 धर्मप्राप्तो मनीहवृद्धे (आवने ॥ वा
 आशतस्सयावदवमलादवकाया ॥ विम
 वीदवकायाः कूटकयावदवकाया ॥ १३
 नाथयकुहाकुसुमाश्रितामत्रगन्तुः

किंनत्रमलाजगमनूयामनूयः साहं ॥ अथायूष्मानानंदारंगवर्नमगदवाव ॥ किंलुमांवरगवधर्मवि
 नयंरुविद्यति ॥ नगवांनारु ॥ माध्याह्निकानवतहः पृथुयाविनऊर्त्तसमाधिधर्मप्राप्तो मनीहवृद्धे
 सायुवाविमलार्कमयननिदानमरुताजिंदुखवर्णयरासारुमिदागनागीरिजसमलनगमीहवृद्धे मनीह
 (पजादसदिहृत्तमस्यपृथुविनविष्टानमविष्टि ॥ अऊष्माताजः पृथुविमंदारुनप्रलकउनाः अष्टिमायामऊ
 गीनारुउरुतइहृरिस्वता ॥ नयवकायाविष्टानमागतादमनारुमी ॥ सर्वव्यापविनाअथसर्वव्यापकउरुकर ॥
 सर्वसोखायदोगातंसवः खाटिमासर्वा मूतंसर्वज्ञगत्वस्यसर्वशामसंतुताउरुकरदिमाअहिसत्वानहारा

यमः अतः जायति विद्यादिदवनास्यति मूलाः ॥ कान्त्या यजना निहाः ॥ इत्यादि स्य इहाः यत्र सा जति
 वृद्धो वा धर्मो नास्ति नृपदः ॥ आकाशास्य नथे वरुधस्य स न उदव ॥ यदुत उरु यो जयी काखा ददा नूनम
 दं ॥ आयकं यसा न स्वधु ॥ आकाशा समृद्धिं ॥ न न उरु सान उ विद्या ॥ यत्र वा ॥ शृंग मूर्क म ॥ शृंगिया ॥ रुद्रं शुभं
 मस्तीर्तवृद्धे ॥ गावतं ॥ सोम नस्काः ॥ अस्मा स्याः ॥ उ विवस्ते नृपकाः ॥ गर्भा सर्वे गथा निशं मूयसर्गः ॥ सजात्र नाः
 गजसा वायस्य सुरुसा असा सु सर्वला निना ॥ सयन साकया ताहि सामायाः ॥ सगलाश्च ता ॥ गमां रज्जी कति स्थिति ॥
 रुद्रके यजका गिरिः ॥ सतसु निमदा दवि गथा श्री वरु वासिनी ॥ दाह गिरु गमा गावदश्च इति विदव गाव

रुद्रे सिद्धय दधमदा वि किन वरु ॥ गनू उदस्मथा अर्द्धय उग अर्द्धय न ॥ गः नव गमा य सखा म्मा समे प्य वरु वा द
 ना ॥ गमां नृप कति स्थिति दिवा ता को समादिना ॥ रुद्रं स र्गं य का मिथ्य गी म्मी त्वं वृद्धे ॥ अचर्त ॥ तदस्य सर्वे वृद्धी
 नां इत्युक्तं कजा काटि रि ॥ शृंग काटिय ॥ रुद्रं स र्गं य वा ना गा वस्य गिरि ॥ अक विद न मा द ग य व य जा क ता टि
 रि ॥ गय जि गो र दि य रु न केः कत्य का गिरिः ॥ दव ता ग म न थे कि न ता स न उ द्वा केः ॥ यूप्य स्तु च म य य
 त स र्गं य य म वि नृ य क रु र्वा य रु गं गारिः ॥ रुद्र ॥ यूप्य न या नि मा ॥ य वृद्धी गो र दि य गि ॥ सर्व वृद्धे दि य
 स्ति र्गः ॥ गारि र व ति गारि य वा धि स त्व स्तु ॥ यो ज वी व र या व र य स ग य ज न या व नः ॥ अरु विरु स मू

५१

गहदिव्यामिकाकनगधनरुगंगसिध्रगुरुश्रुतिंसिध्रत्वादिवानतमयान्तरानादिवारुगानिगुरु
वन॥गमूवासनदिव्यायर्थकानिदिवानतइययगयहोकातिव्याइरुगानिद्वरुवः॥यनस्मिमनत्वकाः
रुक्मथागतः॥याइरुगादति॥यनतकउरुक्मथागतः॥याइरुगः॥यविमनाअमिगारुक्मथागतः॥याइरु
गः॥उरुहइइरुहसिस्वज्ञगथागत॥याइरुगः॥समतनकनयाइरुगाआसनगवृद्धीरुयवसुसिंहासन
अथगाव॥दवनाउरुहंसदानगनंसहगावहासनावरासिगसुटंवहव॥यावकिंसहसमसासाद
साहाकथाउंयावसमसासदी॥हगंगीनदीवानूकासमाशोधकवसुनावरासमसहगावउवदिव्यानि

४

वयस्यानियवमूदिव्यानिवउयोनिववादयन्मःसर्ववालिंमिसहसामदासहसताकउमोसत्वावहाः
नूलावनदिसखनसमचागगावरुवागायधशसत्वा॥नूयानिययमि॥वधिनशसत्वाःसत्वरुः॥गद्यानिः
श्रुनाम॥उमरुधसत्वाधित्यगयतरुगाविजिअविरुस्मगिवगावरुवः॥नगीधसत्वाधोवहयावगावरुवः
जियसिगाधसत्वाः॥मानयुधगागावरुवः॥रुखिगागवसत्वाविगगगुष्टावरुवः॥ज्ञागसुष्टाधसत्वाविः
गकहागावरुवः॥हीनअयोधसत्वाः॥यतिपुष्टीदियावरुवः॥विसमनवहनामावइयोहगधमोधांसाकां
याइरुगावरुव॥अर्थसनुवीरुकरुवाधिसत्वावावृद्धीरुगावरुवदहाधयोयाकावरुवकथमनदिनि॥स

ॐ

उदु उदु गजार्क मजाः यमृति नाः वीरि मा मन य जा का मन य ग वृद्धी र्ग व न क स ना उ इ ति यु व य्या काः
न क स ना वृद्धी र्ग व न काः नृ म्मे न मा लारु ग व न कः अ क मृ ति यु स नृ म्मे न मा लारु ग व न काः य क मृ ति ना
यूः पु मा यं सं म य या य स्मां त्रि रु य मा नः स्ति का व र व किय भ ग कि भ ग य रु ग व न काः अ क मृ न व र व न ही
रु मा यः पु मा यं य र ना सि सि लि व मा नि ॥ अर्थ ख नृ न वृद्धी र्ग व न कः स्त नाः सं यु जा ना सं वृ ति न क
वो धि स त्व म ग द वा व र ॥ मा त्वं कृ त् प्र मे वं वि र य ए वं य ज्ञि गं र ग व न कः य क मृ न यः पु मा यं ॥ ग ल स्य
द नाः न वं व कृ त् प्र गं सं म न य य मः स द क ल क स मा ज क स व द क स ग म य वा क्का दि का यां यु जा यां

ॐ

सद व मान य्या स ना यः स मर्थः स्या रु ग व न कः अ क मृ न स आ ग ग स्या यः पु मा यं य य न वि म यं ॥ या व द
या त्ना न का टि लि स्त य यि त्वा ग था ग ना रु न का सं मा यं वृद्धी नृ स म न न ना ज द ग व वृद्धी र्ग व न कः स्त
था ग ना यः पु मा यं नि दु य ॥ अर्थ ना व वृद्धी नृ स द न का मा व वे ना नृ या व व ना य द व पु याः स नै व लि
मा या व ना ग य अ ग वं उ ज ग वृ उ कि न न म ल ज ठा अ न का दि वो धि स त्व का टि नि य क स ग ट स द साः
वि म स्ति नृ नृ त्रि न क उ वो धि स त्व स्य दृ द मा ठा ना आ स नः अर्थ ग न था ग नाः स वा व नीः य ख द र ग व
का या क मृ न ना यः पु मा यं दि द स ठा थ रि त्वा म र ॥ उ नृ अर्थ वृ य क न ना यि उं वि इ ति न उ था क मृ

३

३

नतायु। अकगयिउंकनविगासुमत्रयनमाननिहतायकवसंखया। नउथाकमनतायुः केमेगु।
 ययिउंकविगायाः काविलुधिवी। सगियावकः यनमासवा। गकंगयिउंसवीनउवायुजितस्यवे
 । आकाययदिवाकाविदिहयिथिविउंकविगायेनेगासुनतायुः यकंगनयिउंकविगा॥ एगकाति
 चकल्यानिकत्यकाटिसगानिव। एयनिहवसंवद्धीः सख्याकोनेहिरुगा। यस्मीद्वउकात। एगस्यग
 (थेवद्धीवयस्यओवितन। यायहिसयासुद्धदगवक। उतः यस्माकस्यमहात्मस्यकायुः सख्यानजः
 रुगा॥ एगकातिचकल्यानिशस्यायावरु। थेवव॥ गस्माकिसगयसादिमाकिविकृतससय। नजि

यायु। यथेगंकविनसख्यायनरुग॥ अर्थखनगस्मिन् यकयययदिआवाय्ययाकईयायाः काठिन्य
 नावाकाया। इनकेवक्रगसरुमुः साद्वरुगवंगः यूजाकेमैरुतागथागंगस्यमहायतिनिवालयदथ
 तासरुसाहयरुगवंगयनयआनियसरुवगवकमवमाहा॥ सवाकिनरुगवानसर्वसत्वानुकं वक
 महाकात्रुविकादिगे। गखासर्वसत्वानां मागा। एरुहग। अस्ममसमउगयउनुगताकेनामहायुहा
 हानसयैमेमेगग। अदित्सर्वसत्वानांवाहृतत्वसत्यसत्यथसिमरुंकंवजंदहिरुगवानुप्राहगाः
 रुगा॥ अभवद्धानुलावनगस्यां यखदिसर्वसत्वयियदसनानामहितसविकमाहसुखयुगिरानम

11

[illegible]

二

इल

सद्य यमा उं धा उं कत उं कति उं यवान् । अहं न वतं या व मन सताः । अहं मवं रि दयार्तिं यं यगि तारि ना
ह विद्या नि । तं किं तला नि स वि क मा न स व य र त मा उं धा उं कत उं कत यगि तारि ना । अहं कत द कति उं यवा वि
कस्य सव सतानां कि द य धि य य न ता र ० नो ह्म । यव मया वला नि स वि क मा न दा उं । अथ सव ता क
यि य द स नो ना नि स वि क मा न आ वा यी वा क ० का उं न्या वा द्र प गो था रि त धा ता ख न ॥ य ग ध उ र स
गं गो या या ता द य ० क स मा नि वा न की का का रु वि द्या नि रं ख व ० का कि ता । अहं स्ता न रु तं द द्या र्थ र्थ
त वा उ म ज ० ति गे दो स व य मा उ व क ० धा उं र वि द्या नि । य दा क द्य य ० ता मा नां या व व । स र्ग श र व श र म ०

ॐ
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा मय कृपा दत्ता मया हस्तमा रवः ॥ दधन्वा यवक न्यो वव नदा
 धातु रवि यन्त्रि ॥ यदा रघु मदान न धन जायन्त्रि या उजा जता काना दि सवे धां गदा सय विखा धा उर वि य
 क्रि ॥ जसय विखा लन नि ॥ सवी सुदधर वत्रा स्वर्ग स्या ता रु धा था य न दा धा उर वि य नि ॥ गानि (स्य नी) ८
 यदा नृ द्वा वे डरु अय मृ वि कः ॥ ता दू वः य नि धा उ व न दा धा उर वि य नि ॥ यदा मय घटं पी त्वा मज्जिका म
 मवा ति नी ॥ अथा तवा से वा लय यू रु दा टा उर वि य नि ॥ यदा नि धा य सं य वा ग र्क रु थ वि ना रु वः ॥ यः
 श्रं र त्व म क र्म ज धा उर वि य नि ॥ यदा दू तू क का का ध त म म यू त्वा ग ना ॥ अन्त्या न्य म नू क त न ग दा धा उर

वि य नि ॥ यदा य ना सं य ना मां च रं वि यू तं रु वः ॥ वर स्य य वि या ना य न दा धा उर वि य नि ॥ यदा सं भूः
 दि का ना वः सं य नु सं य ना कि काः ॥ रु त म नू रु ग रु यः ॥ यदा धा उर वि य नि ॥ यदा दू रु क स ना य व रं गं
 मा द नं ३ ॥ उ ना द य ग रु य रु दा धा उर वि य नि ॥ १ ना ध र्मा धाः ॥ रु त्वा आ वा र्थ या क र्क का उ न्या वा द्वा
 ॥ स वि ता क वि य द स पं ति त्वा वि कृ मा तं सा धा रि ॥ य रु रा य रु सा यू र कृ मा त्रा ग जि न यू र म रु मि न
 ॥ उ या य रु स ना वी नः ॥ या क वा क न रु रु मा म क न रु ॥ रु दि ता क र्मा ध स्या ना पि ना ग था ग रु स्या रु यि न
 ॥ रु था ग रु स्या य धा क र्म म वि नि क्रि यं ॥ अ वि यं रं व रु वि य यं ॥ अ स्मा ध ग था ग रुः ॥ रु व वृ द्वाः ॥ स वि ता नि स्या स

कस्तननिद्यामसममरायनानवद्विष्टयतिनिवीनेनधम्मयजिदियग।सत्त्वानांयजिदियाकाययजिनिवीनेनिदः
अविद्यारुगवान्बुद्धानिर्यंकायसुधम्मगगदसगिविविधेष्वरुसत्त्वानांदिगकाज्ञाना॥अथनृविज्ञाउ
वाधिसत्त्वसुधावृद्धानांरुगवकांरुधाध्वध्याःसयनयथाज्ञानिका॥अकमूर्तयुःयमादीनिदसंसत्त्वाउहउ
दगआरुमेना४युमदिरुं१यीमिसोमनस्यजाः॥अदाज्ञायिगिवाभायनसुगोरु॥अस्मिंरुधम्मगगा४य
मादीनिदयमा॥६यमयासम॥संख्ययानांसत्त्वानांमनरुतासंमयंका॥अविर्कमृयादिसं॥मवगधम्मगगा
अदंन०॥०॥सवध्वयुसासंमसंज्ञाजगधम्मगगाय४यमादीनिद॥अयजिवरुमेनोद्धीनिय॥
॥००॥अथखनृविज्ञकउनामवाधिसत्त्वःसय४स्वयागज्ञानःसवध्वसवध्वमयिकाज्ञेजीमजि

三

न॥ समन्तवशात्मानां ॥ गद्यार्थां ॥ यिनामस्यमउत्तमवीसर्वदिक्कअयमयानसंख्यामृद्वानदजि॥ जः
 त्वेविक्रमृत्तवेत्तस्यसतविखयानअन्यकसमसदसकायायतिवदोयायतिविकेयायत्तयेगायाचमदे
 मयमानां ॥ गद्यववाक्कनूननदजि॥ गद्यजीवज्ञानननःकुरुतीयद्यदिमागवयोंत्रेगाधनिश्चजम
 मास्यमीन॥ मृथखनूनविनकरुकाधिसत्त्व॥ यगिविवृद्धेःसमानगाधमदसनागाधामनस्मज्ञंवि
 स्म॥ अनस्मनमानस्मस्यांअन्यअनजाऊट्टननगाज्ञिःकमानकेःयाविमदससाद्रियनट्टेफोट्टेयः
 वनज्ञाकायनरगावास्मनायसंकाकउमसंकमरुगवंकयादोसिज्ञसावदिहोरुगवगंयिपदजिजीक

9

ते कान्ता नदी दत्त कान्ता नदी दत्त ॥ अथ नृविजय कथा ॥ विमलायन नरगवांस्तनां जज्ञि यत माया खेव ना
 ४ स्ता प्राक्तन इह हिमनां दत्त दत्त गाथा ॥ समाप्ता उवाच ॥ ॥ ॥ किञ्च वदुः पुरा सा रूमे स उदना ऊच्य
 ख प्रयति वरुणा नाम रूमीय ॥ ॥ ॥ गक जातु मदी कनख प्रारुत गरुं मया इति नृविना दृष्टा समन्त कनक
 पुरा ॥ कनमानं यथा सख्यं समन्त नृविना वरुणा ॥ यथा सिगाद सदि (या दृष्टाः समन्त यो) निषङ्ग जल दृष्टा व
 उच्ये वरुणा स्वतः ॥ अतः कनक सदा यायां यति स्वयां यूनक क ॥ दृष्टं वा कनक नृविना दत्तं ॥ इति कनका नि
 मानाया ॥ मा ॥ कथं निषङ्ग नृविना वरुणा सा रूमे इह नृविना मा ॥ इति ॥ मा ॥ अथ ॥ इति ॥

७७

११

यमज्ञाकरः स्वादाज्ञेदः ३ः स्वास्तु (धे) दज्ञाको अज्ञानवदृष्टिगम्यतादिसामास्तु सवसनातिज्ञाका। समस्तु सव
 दृष्टयादगायथा गथागयाथानयायमूनिद। य (धे) वसवीधउ (ला) ययन। संसारसर्वइमदा मतिद॥ ग (धे) व
 कुरुउमसागता ४ समाधिवाधंगउ (ले) नूयगा। अज्ञानवदृष्टिधाखनादिनारवंपुवद्वस्तुसंतोवेः ३ः अरव
 सुवृद्धत्ववजागंवाध। यवययसुसुवृद्धमित्रकं। निरुक्तकानिअविश्रित्यानिदसुवृद्धमित्रजगमादिगाय
 । दनकुक्षानिध्वगउ ३ः स्वास्तु सवसनातिज्ञाकागंयथावमाद॥ यस्तु निरुक्तकानिअविश्रित्यानिदसुवृद्धमित्रजगमादिगाय
 गागा। अज्ञानवदृष्टिगम्यतादिसामास्तु सवसनातिज्ञाका। समस्तु सव

अज्ञानवदृष्टिगम्यतादिसामास्तु सवसनातिज्ञाका। समस्तु सव
 तरवंपुवद्वस्तुसंतोवेः ३ः अरव
 । मयि सुवृद्धादिनां यावंपुगांदसनयाधेनाया। अज्ञानवदृष्टिधाखनादिनास्तु सवसनातिज्ञाका। समस्तु सव
 अज्ञानवदृष्टिगम्यतादिसामास्तु सवसनातिज्ञाका। समस्तु सव
 ध्वनामूनाः ३ः स्वास्तु सवसनातिज्ञाकागंयथावमाद॥ यस्तु निरुक्तकानिअविश्रित्यानिदसुवृद्धमित्रजगमादिगाय
 आंयसमस्तु ३ः स्वास्तु सवसनातिज्ञाकागंयथावमाद॥ यस्तु निरुक्तकानिअविश्रित्यानिदसुवृद्धमित्रजगमादिगाय

रुतं उमां वृद्धा कृया का नृपा वरस । अर्य यथा किं गृह्णुद सदिशु वाहिना ॥ यव मया यकं क म रुतं ॥
 यव सदा नृपा । ग स र्व द स र्व मि स्ति ना रु द स व र त ग ग ॥ मा ना य र व व र ना द द न ना म य ज्ञा त ना ॥ क स रं
 या व र गि न य म यो यं रु गं म या ॥ जे थ य म द म रु न क र त य म द न व । ना नृ य म द म रु न य म यो यं रु गं म
 या ॥ इ ति कि नं उ र कं व र रु न ना वि क मी ना । अ ना द न व र द न य र यो यं रु गं म या ॥ वा र व द्वि य वा
 ज न । अ र ना र ग व र सा । या य म र व सा च व क य या क र व र सा । को ज र गि व र व र । अ क र ग व र
 न वा । अ र क व र द म य र यो यं म या । अ ना य ज न स रं मा दी या मा स र्य र उ ना ॥ अ भा वा ति उ दा र

द य र यो यं रु ग म या । अ स ना म म का र मिं का मा नां रु य रुं उ ना । अ ने थ र्य म र ना वि य र यो यं रु ग म या
 ॥ व र वि वे र्ने र ने व का म का व र य न वा । क र्ति या मा दि न ना वि य र यो यं रु गं म या । या ना र्थ र्ने उ ना र्थ य ।
 व र म र्थ र्ने र्ने उ ना । वि वि व क स रं ना य र यो यं रु गं म या ॥ का र्थ वा क मा न स रं ना य र्थ र्ने उ ना र्थ य ।
 । य र ग मी द स नृ यं ग स र्व द स र्य मि रुं ॥ य र वृ द्ध वृ द्ध म र्थ र्ने उ ना र्थ य । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य ।
 र्व द स र्य मा रुं ॥ य र य र्थ र्ने उ ना र्थ य । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य ।
 मि रुं । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य । अ र व क र्थ र्ने उ ना र्थ य ।

अ
य

१४

तंमया॥यत्रदुर्गदिमंयार्थगतसर्वदसयामादं॥आयुखासर्वतमायर्थसर्वइस्करुकेकर्मयो।नश्चादयामिगत्या
यंयरुद्रममइस्करुं॥गिविधंकोथीकंकर्मःआविकउविधमात्रसंगितकानवंगेतसर्वदसयामादं॥का।
यकंववाकुगंमनसावविविंगिगं।कुगंदगविधंकर्मगतसर्वदसयामादं।दशकसुताम्वजित्वाकृतादसा
हस्यामिदसुमोवरुद्रदसवज्ञारुम॥यत्रमयायंकर्मअनिस्करुतवादक।गसर्वदसयामादंमिब
ह्रीनायुतुगयनायत्राविजुन्वदीयमिअवान्यज्ञाकथाउय॥कृष्टंउकसुतंकर्मगन्सर्वकर्मगतसर्वमन
मादयायेवयेन्याजिगंमहं।कोयवाकमनसायिधननकुसुतसूतवस्य।ययवाविमुकमी।रयगती

सकदवातवृद्धनांयायमयियस्करुगंवउदात्रुनदसवतसंकगामुगक॥स्तिगःतुमसर्वयायंयजिदसया
मिबगयायंयेसमंविगजन्मसंकटाविवित्थे।कामयथातसंक॥मुखकृतकसंकटवायत्यविगसंक
ट।यायंमिनागमसंकटवतारसंकटतागुसंकटद्वयसंकटमादसंकटतयिःअयसंकटकातसंकटयू
यमूयाजुपसंकटसमूखास्तिग।गसर्वयोयदनिदसयामि।वयमिवृद्धीतउवसागज्ञायमान॥३॥
वृष्टवृष्टमेनवरासिकदिगेज्ञान॥कयांजितानांयज्ञवदजा।मिमृष्टावगासर्वजितवमामि॥३॥वृष्टवृष्ट
शकनकावज्ञारवेउर्यातिमिहविउद्धिज्ञावनाम।पीगजकोरिवातनाकतवृष्टशकोकतनापुतविधमः

अ
७

दृक् गवतः कगताः रुचयवृद्धिनि विज्ञायतां क॥ दृग्ययवृद्धिनि विज्ञायतां क॥ दृग्ययवृद्धिनि विज्ञायतां क॥
न॥ जयमानं सर्वज्ञं सख्यं च॥ यद्येक्यवत्तु रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
योनिना॥ यन्मन्त्रव्यापनमिमां अनुकूलना॥ यद्येक्यवृद्धिनि विज्ञायतां क॥ दृग्ययवृद्धिनि विज्ञायतां क॥
समयाज्ञाभास्तथैवमादना॥ जाकिं समजाजिरुच्यवत्तु रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
गुम्भानिदुःशुचीयकखावचनं द्वादातं॥ अनवोतेरुच्यवत्तु रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
खन्यायमन्त्रययुना उलाकतानि॥ समवेत्तु रुच्यवत्तु रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
कतादियजुर्गुहिकास्तमविकृतसत्तदियराउपांयुगं॥ यथाविन्ना इव जकोयमागो॥ निजगारुणाश्च दससुदिस्तु

मि

कसर्वमुच्यते वा विना नद्यः जलं रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
यसकं वासनाययं ना॥ कसर्वीसत्तावासनागारु ४ खिकादि॥ मुच्यते गुरुयसमेऽयनमे ४ सखात्रे॥ यथादि
तावेधनायेदिनावविदित्यामसत्तदसदिसत्तिमानि॥ अनायासदसुवायवाकं ना॥ विविगुरुयदा नपाथ
कद्याया॥ कसविमुच्यते बंधवंधनस्यः संयोगिना मुच्यते गुरुयसमेऽयनमे ४ सखात्रे॥ यथादि
गतानिरुच्यानिरुच्यसुसर्वायसर्वे रुच्यनिविदिताया॥ जलं रुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस
विजुव्याः विदित्यायुतं नमनादुघाखा॥ नगश्च वस्तानि नृरुच्यविकीदतिदसत्ताश्च वंधनानिरुच्यसु
गधनक्षान्यविदितात्ता॥ सध्वसत्ता उखिनारुच्यमावकां॥ किञ्च यकत्वा निजविदित्यानि॥ केचयसत्त्वानमनस

अ
१२

सर्वेभ्योऽपि नृपयसादि कसो मन्त्र्याः अनेकसखची गंतियं रुद्र ॥ मनसा नृपोता ॥ उ सृष्ट्वैषाः सदसु
विशमांशुं वरुं मुक्यां । वनामृगो यदृष्टोऽद्यावत्कांशः यन्मोक्तं न निरुं वागा ॥ उ वश्यमायुने यमिति ।
ति । स कसु विरमांशुं मुकसु रुद्रः अत्रुं वां घानं वगर्थे वरुं । धनं दिवत मानि मूर्ति रूखनं ॥ उ वः वै उय्यी
विविक्तत्वं ॥ माहः ख सदा व विज्ञा क रूद्रः मा वि क स तं यति ज द सि । स व व ग रूद्रः उ ज न व रूद्रः ॥ उ रं क
रुमुयत स त य ॥ या का वि सं य किं म नृय सा कः गा न व रूद्रः न व सा या य कि । स वा रि या या । स द वि र मा न
यून्य न रूद्र न य ति पू त य ॥ ग व व रूद्रः मा रूद्र वि र य न वः यै व यूरुं क स मं थ यूरुं । शि का रूद्र वि र दिय व व

१०

अ ॥ उ रूद्र मु क स त र वं रु उ रूद्रः । क व रुद्रु जा द स म दि सा म अ वि लि या स र्व ग था गू ना नां स र्वा वि स त्ता न
वि श व का नां ध म स्य वा वि य गि स खि त स्य ॥ नि री ग गि स र्व वि व य रुः र वं रु अ रूद्र गि क वि वि रू रू ॥ ३
जा मा द यां उ जि न ता उ मूर्ति । र वं रु वृ द दि स दा स मा ग म ॥ उ व रूद्र जि ना दि रु वं रु नि रूद्रः । य रूद्र न व न भाः
ना स मि थ का र्वा नृ य न व रूद्र न य रूद्र की र्वा । स म त नं रु क रूद्रः उ अ न क क र्वा ॥ स र्वा स्ति यो नि रूद्र न ग रूद्र वं
रूद्रः उ ता य या ता य वि यं उ ग र्वा । क स र्वि वा अ य व रूद्र मु नि रूद्रः । व रूद्र रुद्र य मि ग स रूद्र ॥ य रूद्र रुद्र द स
स दि ग रूद्रः । व रूद्र रुद्र म रूद्र रुद्र य स रूद्र य रूद्र न । व रूद्र रुद्र न स न स नि य रूद्र नः । उ व रूद्र रुद्र म रूद्र रुद्र य रूद्र य रूद्र न य
यो नि क रूद्र नि म यो जि ना नि । य रूद्र रुद्र जि ना य रूद्र रुद्र स क रूद्र रुद्र य रूद्र य रूद्र क रूद्र नि रूद्र न ग रूद्र स रूद्र रुद्र रुद्र रुद्र नि रूद्र

ॐ

नवाहियया। अमरसिंहारववंधनसुह। संसाजयासादधवंधनवद्धो। युद्धाकतिरासगरा। सुवधना। सु
अउडा। खनुजजलु। ३ः खनुजजलु। खववेसता। रुद्रजान्दुदीन। यवाविअन्यवृवनाकधाउय। यव
सुगम्लोतविविगयुना। गसर्वपुनद्धनमा। दयामि। गनेवधुना। यनमादनन। कायनवाहुमनस्य। जिनेन
यतिहोनसिद्धि। सरुताममा। सु। ययवाविविजजामनसुत। यवदुनगा। यानेदसवतासेदावृय
सतउद्धीमनस। न। रुमा। यीतिवानमवसिगाययदि। कत्यां। उदक। ऊयाया। न। १०। ति॥ ४॥ कति
यवउिकति। यनूखा। सिधा। वा। द। प। क। रि। या। वा। यस्ताय। कमुनि। कगा। ऊ। रि। ति। सिद्धि। त्वी। सर्वे। जानि

१६

स्मनहागजाविषू। सवर्गसर्वदिय। गारिगीवविविगयुनारिउनु। सेनुघट। नजउताऊवसंयुजिग४स
दाः। उगाद। ए। रुख। गि। गय। गजा। नगोजकसावृद्धसा। चा। गि। क। क। सनक। को। नद्ध। अ। नयिकययुनेमंकरुन
दसस॥ गथावृद्धसदसावा। म। गि। के। क। सनक। गे। यखा। निदं। क। धर्म। मेटे। दसं। नमयविअति॥ ६०॥ ॥ ६०॥ ति।
उवप्रयुतासा। रुमसु। रुदताऊदसनायतिवरुनामवकथअधाय॥ ६०॥ ॥ अधखनरुगवांकुनव
विसहसमवयानकृतदवगानमरुदवावरु। ननखनयुन। कृतदवक। कनका। तससमयायन। नाज
सुवर्गरेऊदमासिग॥ कनकमजाकननसचगधागगा। सुवनागीकानागरुययवीनरुगव

नाह्यष्टवीगायजिनयवकयसुगवनिःयत्रभीमगिदसदिसिजाका। कखजिनानकतामिचुनामः।
 जिनसयमदंयुरुजिथा॥थानःयुअनविउठुनिउ॥उवध्ववःपुलासिगयाउं। सर्वसजासुधनः
 ५७ पुवुडा। वक्रानुगखनगजिगयाव॥यद्यदमोतमादुदकसःनीनउकुंविरेकासतिकोसी। सखउखास
 सयाउनदंनःदमविताजिगलासिगयागंनिजविसातविउधसुनगं। नीनमिवायनयवागिगजं। यम
 वहुविभानसजिग। यमेयलासिगयमसुखारुं॥सखमः। नीनमिवायनयवागिगजं। यम
 ५८ ५९ कानिसवातजीनसगीवः। यममूमिउमनादालनारं॥कावशनकोटिसवहृमृइज। नासमुखान

१०

गलासुतानिर्वा। अयवतागविशिष्टनासागं। मृइकसयजिनीनसगुं॥यकसमकतामसुखारुं। वानउ
 जायद्यदजिनरुं। नीननीलासातकुंउजजागं। निजवीजाजिगमाजसगीव॥जाकसमानयुलाजिगुं
 यजिनसवीदसदिसिजाका। हःखमकुअनः। गिजाका। सर्वसधनवगयिउसहं। नतकगानिपृथसिर्
 गानिपृथनसताउजमनूजगानिपृथयसर्वसखायिगसहं। सर्वयुअगअयायगानिपृथ। वहुउवहृ
 कनकनितासोकावनगकयलासिगयागं। सोमसंअकसविमेनवकी। विकोसिगनाजिग॥गनुदाग
 कामनयागं। सिंदनिवाकसविकेमनागं। जतिस्तदसुयागंविगवाहं। मानूगमितिगयनवयव॥याम

ध
७

यथा ह्यत्र मूर्तिरिति सत्यं सद्यः समिव यत्र नति मत्तु गंतव्यं हि मूर्तिरुत्तमं सर्वेषु तासि गजं मनर्गं ॥ वंदु नि
सा कतसा स स्वातजा न ऊम नं न स दस म न य ॥ न विव नति हि ग सर्वे म र्दि वि वृद्ध उ ला स वि ज्ञा व न ता य ॥
वृद्ध दि वा क न ना य दि य वृद्ध दि वा क न स द स य नं ॥ ऊम नं न स द स म न य ॥ य य उ स त्व म न य ग न ता य ॥
॥ म न य स द स य नं वि न का यं स र्व उ ॥ स हि न नं क न ग म ॥ ओ उ य ऊ उ ति रं डि ग वा रं ॥ वि म त ऊ मं डि ग द र्क
रु मि र्क ना य मः ॥ अ ति ग ॥ उ नं ॥ उ ऊ न ना य म य ग न वृ द्वा ॥ उ ऊ न ना य म य न र वं गि ॥ उ ऊ न ना य म
य ति सि हि ॥ म ख डि व न क ना मि य म नं ॥ का य नः वा व म न नः य स न ॥ य य म द न स र्ग व य द न न व न

२०

सक न स व ता सि ना यि ॥ डि का म र्क न यि वृ द्वा उ ना मि ॥ क न स द स य नं न दि स क व र्क ॥ य उ न ॥ अ व ति
वि र्कि डि ना नां ॥ सा व व ना ग वि वि र्कि म नं क ॥ य क डि न स य उ ना न स क ॥ डि का ग र्क न यि ता सि उ र्कि ॥
वि र्का का म स म र्कि हि स वी डि ना ना ॥ य क डि न स य वि र्क त व र्क ॥ स र्व स द व क ता र्क स म द ॥ स र्व र ग वी र ग
वृ द्वा य र्क ॥ य न र्द द य र्क य मा उं न व व य क उ ला स ग ना नां ॥ वि नं न स स क म ऊ न स व ॥ का य न वा य ॥
यु स न म नं ना य म म स वि र्क य ना र ता य ॥ क न व स त र्क उ डि न तं ॥ य व र्क वि त न न य मि वृ द्वा ॥ य वं क ना
मि ति य प नि व नं ॥ य ग व क र्क वि म द र व र्क ॥ जा वि अ ना ग न क न म न नां ॥ वृ द्वा य र्क य य मि स य

२५

हृदयदमनकण्डाणि। नित्यं हृदयजिनमुनिमकताकतनाजागिषुजागिषु कण्ठरयं। वृद्धोऽनामनामसुखा
ययिष्ठ इत्येकतामसुसे। अमुउल्लयवहः स्वयमोगेयि। कयवदसयिदिवसंगतायि॥ ३ः स्वसमृद्धविभाः
वयिसत्ता। युतायययिजयिपातमिगातिः। वाधिमनुरुताययजययं। जगत्तवगममसुसयथा। राजियदा
नाविद्याकतुरुजिनः सर्वजिनानजसंउक्तिदगा। संमुखयस्यामिः॥ अकमनीडं। वाकपुष्टेष्टुत्तययं। १०
मदानकक्षासमयुक्त। कनककुंकनकायराष्ट्रनां। गउरिदासकगगत्तययं। वाधिमनुरुजयाकर्तुनं॥ वयिव
सत्तज्जानजाना। सत्तनविदिदवासनगागावकयुत्तययजानागर्तुसर्वगतयज्ञायेनसत्त। १॥ ३ः स्वसु

२५

रुवसंजयकर्तुसर्वसुखवजाकतुरुता॥ कयजानागर्तुवाधिवजययः। यरुकेयुष्टकाटिगाथा। सत्तयुतासार्कदेसनगा
त्रायायमृद। याखउमदं। कर्मसमृद्धविकिष्टुमदं। कसमृद्धविष्टिष्टुमदं। युन्यसमृद्धययुष्टुमदं। इनसम
दविष्टायाउमदं। विज्ञज्ञानयुतासवजना। सवउनातसमृद्धरवया॥ वाधिवउल्लेउननतययुष्टु। देसनवपुला
सवजना। युन्यापुलासवविष्टानिमदं। वाधियुतासविष्टायाउमदं। विमजज्ञातयुतासवजना। काययुतासववि
ष्टानि। मदं। युन्यापुलासविष्टावतगावः। सर्वजिनाकविगिष्टुत्तययं। युन्यमज्जनसमविष्टानि। यंवेरेसमृद्धउताज
यिगाव। सर्वसुखवसागजकता। मनागगकता। वाधिवजययः। यरुकेयुष्टकाटिगाथा। यदसंजयविष्टि।

५
५

मिताका सर्वजिना ननक उ (यन कग गि म द्यं) मनाय ग सर्व ॥ ॐ ॥ गिगी म व र्ण य रा सार्त्त म म ग द ताः
ऊक म ता क ता ना म सर्व ते धा ग ग य नि व र्ण ता म यं क मः ॥ ॐ ॥ अथ ख नू रू ठा वा न ग सां व जा यां मि मा ग म था
म रा ख रू । अथ व म रू य । अ वि क्रिय मू गि वि स्त तं द सि उ न्य ध म्मी । य सां द स रं । ग म्मा दि म म ग व जा उ म वः सं
य द सि न उ न्य ध म्मी ॥ स ख्वा स्य वृ द्धि त यि जा न मा न न स रं । उ ख त स व ध म्मी । य सां द स रं उ न का ग म नः सं
य द सि रू उ न्य ध म्मी । अ ले नू यो य न य रू उ रू य स त्वा न का नू त्वा व सा द यार्थ । य का सि गं उ उ व त्र च म म ग रू
अ रि जा न नि दि स र्व स त्वा ॥ अथ व का आ य ध उ न ग म्मा । सं ग म म वा ज्ञा य म रू उ य मि । ना न क ग म नि र व



संनिभसर्वानि कवि जान गिय ज सावन । वरु निंदिय नृप मनषा वक्तिः । नागं दियं गंध विवि कृदा ती । जिह्वा दि
यति रुज सा वषा वक्ति । काय दियं सा गता वक्ति । मना दीय धर्म विवा ज । लव । धरु दि या । लि दियो य न सा ज न । स
कं स्त कं वि ख य म रि धा वक्ति । विरु दि मा मा य म क र व । ख उ दियं वि ध य वि वा ज सं व । य धा न जा धा व गि उ न
ग म । सं ग म यो र ति । समी सि रु थ । न य जा न ग । दि य । व च ना नी । विं रु य धा मा । धि र व या सि र्ग वा न यः
जा न ग । दि य । गो रं व । नृ पं व । यं व ग । धे व ग थ । न सं व सा य क र थ ध र्म गा व रं । विं रु व स व र थ क दि
अ ष् स क नि रि व व र ज म न दि य मि । सं य वि रुं । य र थ दि य क र् व उ जा न मा न कं । क व थ नि व रु नि

थ
ति

वायाजकं वा अगाजक। यथायसं यथावः अगाजकस्य समुत्तिगश्च ॥ स्तिगकायसु ० वउ नगमा ॥ अथ
रुमसजिज्ञानियथा योजनगमागा ॥ स्तिगदसदस्ययतस्यसातेवसदाविनूहीः यथैव आसि विखणकवसाः
निष्ठा उजमास्त्वदमु विव्रानि ॥ उर्द्धगामिद्वयकृत्तगामिनिव ॥ द्वयोद्वया अविदितासु सर्व ॥ नसा
किं तेषां उजगमानि किं च त्रगवसजिता जगाश्च ॥ ० मो वक्रा द्वा उयगां वज्रक जज्ञातगा अनिज्ञमा जगा
जगाश्च ॥ रुवन उरु जज्ञातगां जयथा समुदज जमय मयः यथा समुद दिवा जज्ञातगा ॥ यथा यज्ञ मनु ज
रुगया यथैव वा का यमन कया जगा ॥ तथैव द्वा सायुदा रुद्रा उं यत्र सर्व सतः ॥ अनेक कया नि उरु उ विरु

२३

यथा नमक यथैव उदा नि जानि उं मदि सत्ते ता सा गि निः संसा यज्ञा ४ गव उसा जयि के ज्ञानि उ ॥ अत व ३ वा
जाग मयि यमान गका वृद्ध सा उदा गवा जं ॥ उगा द गो सत्वर वं रु सर्व उ ॥ येन वधे न यसा न की त्या गा र्क लता
॥ आरि सा ज उ ॥ तेन ॥ अमि क नू वा ऊ न म उ न ॥ अ न ता दं वा स ज त क म्मि ना रु व य वृद्धि नि वि ज न सा क ॥ द य य
ध म्मि रे ग ता दि गा य सत्वा च द ॥ ३ ॥ ख वि उि गा त ॥ अ य य मा जं स म्मि नां यु व रु य यं उ र व म्मि व कं ॥ उि द य क त्या नि
अ वि क्रि या नि रु य य सत्वा न म्मि ना नि ना ॥ य न य ख य ज मि गा नू रु ज्ञा य ॥ य व य उि न य व का ना ॥ द न य क
अ वि य म ३ ॥ खान स मा य वा गं रु ध द य मा रु न ॥ जा नि स्म ता नि य र व य वा दं जा नि स गी जा नि स रु स

थ
वा

काटि॥ अनुस्मृतयं स गुरुं मृति उट्थीय कथां वचनं द्रुदात्तं । अननवाहं कृतं न कर्मना ज्ञरुय वृद्धिदिनः
दासमागमं विवेकं च यं खजमायक म्मेव जयायुन्यानि उरु कानि सवर्गं ऊर्ध्वं वसुधैव कुटुम्बकम्
का॥ ४७॥ समं लुता क॥ असत्त्व विकल्पं दिय संगदिना ॥ न सर्वविकल्पं सत्त्व दिय रूपां सुखं । यथा धिना उवत्
अनया गानि अनरु गावदस्य उदिताम् । न स विपुला उवत्वा धिना जघुः जं लुता ज्ञाय ज्ञादियानि । क
ज्ञा ज्ञो ज्ञसमगा किं वधाया फानाना विधेरुय स गेवा स र्जना ययनी । न सत्त्व वसना ग ग ३ः खिनादिः
मूलायु कुरुय स गं यावीना मिदं गाय कदा स ध्याय कां गाः ॥ यस्मिन्ति नित्यदा गाः ॥ उवत्तये धीत्य जयमिः

२८

मीरि॥ सुदुःखं विषमा कृतं कृतं सत्ता ॥ अनावयायव (गद्येव सत्ता ॥ धनं हि जग्यमानि मूर्तिरेव तं सवर्गं वेदुर्ग्ये विः
विंगनत्वं ॥ अ३ः खण्डा । कविता कला रुजमावेक सत्त्वः ॥ उगिरु जदसि सवर्गं कुरु उदा जव श्रीः ॥ युरं कता राः
सुयत्र सा जतः सादय लुजिन जग मूर्तिरेव लु वृद्धिदिन सदा समानं ॥ उच्चैः कजिना दिरु लु नित्यं यरु वधन
नाम मृद्वे काथा । नृधन वधने यथ न कोर्या स्म ननं कता लु अन्त क कता । सदा सिध्या नित्यं जग रवं गि सत्ता
अविद्या उगाथा । न स विवा द्याय वधु नित्यं वजं लु वया जग सय गो ॥ यस्म लु वृद्धे दिस सदि य उजा नरु म वृ
ऊसखाय विद्वान् । वेदुर्ग्य जता सन सति यस्मिन् ॥ नृधन म्मो अय का सामानान् । या यो नित्यं म्मो नित्यं म्मो नित्यं

ध
या

२५

यूवाजिगंयप्रवसंवाटय। अवायाकम्मातिजगावरुंलुगसविऊयउवनिजवाशियाकाविममाकिमनयकेतो
साकयसाकुमनमोयायकि। सवीरियायाः सरुमुविहः युन्यनरुननयेजियुनयउ। धिगौकूमायवविने
यनंक्धुयंययुयुकेसमंययुयुकि। काहवृउ। दिमखयमु। टङ्कउरुसतरुंउउहो॥ क्वंउयुजीदससदिशय
अविगियोसवरेक्षगगानां। सवक्षविमहानयिअत्रकानांधमस्यवाविगुगिससिदिगास्य॥ वीवीगोकिम
विदिवजयउरुवउ। सवगिकयिविधिर्वरुआ। यखा॥ यमर्वसहारववंधनम्ह॥ संसाजयाथदधवंध
वृद्धी। युद्धाकनेलासिगारुमुदंधनारुमुवाउ॥ १३॥ सेवृजजारवंकु। अवायिमहा० रुजंमुदोययवाजिअ

नययजाकधाउय॥ क्वंउगंरीजविविउयुतांरुनुमादायामि॥ कनेवमयुपायनुमादनन। कायनवाउ
मनसाकिरुनयनिधानसिद्धि। सरुनाममाउस्य। ययवाधिविजजामनूरुजी। यावर्कनकास्येगिदमवजा
सदावयसंनउकीमजमानसना॥ रुमाययजिनामनवसिगाययध्विबकन्याऊरुनअवायान। १४॥ लि
आकरियवदिरुलिः॥ यनुधासिधावाकयऊरियावायसास्यगमुनिकुर्माऊरितिरिस्टिदितासवग
जाकिस्मनुद्धाकजागियू॥ सवर्गसर्वदिय। अरिगागं। विविउयु। उकिउसेवृजजारवंकु। अवायिमहा० रुजंमुदोययवाजिअ
जिग। सदाउगाद। अरुंयानिककगुग॥ नगेनकसावृद्धस्यवाकिरुसंरुंनदध्यानयिउययुनयः

अ
५

२३

वसुनदसंसे। गथावर्द्धसंरुआनामलिककृमसंरुंयखा मिदं काहृपूटदसनंयविखाणि॥ ५॥ सुवधुः
युतासाकमसंरुदनाऊदयनायजिवरुनीनामत्रउधी॥ ६॥ अर्थखनरुगवांस्मावाधिसतसमवयाः
कृजदवल्मगदवावर्। गनखनयून। कृजदवल्काजनननसमयनेजाजासवधुंरुदोमोनामासीः
दनेनकमसंरुकागसर्वगथागकसुवेनागिनानागकयउत्यउंनारुगवल्नीरुयवावीरु। जजिनयुर्वकः
यवर्विगिथवधियमिदसदिसिनाकः। कखजिनानकसा मियनामंनजिनसंघमदंरुजिथा। आउयः
आविउध्वमूनीउउवध्ववध्वयुतासिगयां। सर्वसनासनासस्यनवृद्ध। वध्वनरुस्वतगजिरुधाः

१५२

खं। युयदमोतमदानुदकथनीतसुकुविंकासथनिकासं। संखरुखातउपाउतदगंरुमविताजिगरुसि
गनारु। नीजविआतविउध्वनरु। नीजमिवात्यनयय्यटिरुंयमसवधुविअतउजिद्वयप्ररुसिगःय
ममूखारु। संखमिनारुतितामूखगाउदेजिनावलिकवनेत्रिवधुंरुक्रानिअनिअकनजिसिवा। म
नाऊतनारु। कावनका। टेसवधुमृइतंनसमूखानगयागयेनी। अयध्वतायविसिधुनासागःरु
इकसविजिनासकंयकसमोकगतामनखागं। वासुसनासयदजिनवल्कः। नातनिरुकाजकउता
गोगंनिरुविजाजितं। माजउगिगं। जागसमातखरासिगगायःयजिगं। सविंदसदिसिनिताक

५
५

२१

३३ स्वतमन्युयान्कगिलाकं सर्वसखनवाकथिगसत्वं । ननकगलिआधरीयप्रकिष्युयुसुजासुतमनजग
गिययुवसर्वसखाधिगसत्वं । सर्वयुअनअयायगातेयुवर्द्धुं कनकनिरासकावर्द्धुं नकयसासिः
नयारुं सोमायुआकंसविनवको । विकानिरुताजिकसुविमजवदनां ननकनृदायं काका मजगारुसिंदेवि
वाजमनागजतिरुदसुयोतविरुवाहं मानुरुयतिगसातनकवा । वामयुताजातमविरुजसिं उयसद
समिदयुगयक ॥ निमजअउवातशिमतिं उ । सर्वयुसासिगऊयमनका वंदतिअकजरास्ततजाजऊक
मनकसदससदेयु । कथिवनिहिरुसर्वमउखिवृद्धयुतासविजावनगाथे । वृद्धोदिवाकाजजाकय

ययीयवृद्धोदिवाकाजसदसुगकां । ऊकमनंगसदसगकय । यथउमहवृत्तथागकसुययिनामरुपुगवि
कायंसर्वउ । लरितनंरुउगकां ॥ ७० ॥ उगऊडानेरुजिउवाविमजनेऊतमउगदसंरुमिगजापुमसानि
कउसां । उअनजाममयगतवृद्धो ४३ उरुजायप्रमयंवदिकां सुकयजिनानकनामिपुनामं कायनवा
वमननपुयन ४४ ययुदानउगंद्वयजनेवर्द्धुं सनसविमिजायि । जिह्वासुतेनयिवृद्धउनातिकत्य
सदससनेनदिसकावर्कायउनासाधनिवृकिजिनानां साववशागविविरुअनकां ॥ ७१ ॥ उकजितस्यउनानस
सकाजिह्वासनेनयिरुसरायिउकिविउ ॥ काममसकिदिसाविजिनानां ७२ ॥ उतस्यदिविरुतवर्का ॥

४
अ

सर्वमेव कृताश्रयमुद्रासर्वरुवाउरवज्जयन्तीनां जगद्वसुधा यमाउनेवव एक उवाउ गानां । वृद्धि उ सं
कमजिनसर्वको यनवावयुसमनन ॥ यमयमं विरुयेनारुनायननवसत्तुकिननं । एवं क्वियुननयति
वर्द्धे एवं कलागि नृया । युति धानं ॥ यउवकृता विमदरुवरुजा विअमिगा नरुका जामनका ॥ ६० दसरुजी ७ ।
यमिस्तद्रु स दयनन गृष्टमि ॥ ६० दसजिनं रुतिकमजा कजजा जातिवृजातिवृ गजगुरुयं वृद्ध उ ना विम
नकुरुत्ता य विधु उन्नरुका यमदमु । अमृफ (यववः स्वयुगमायिक वृदेनेमयि दिवंगन गोयि । शस्वसमुद्र
विमावयि सत्तायुता यस्वरिज्ञयि धानमिगारि ॥ वा विमनुरुजयथ जगयं उरुवगममा अमयध्या रती

२८

रव

युधान विद्याकरुजतसर्वजिनानन संकुकिंदगा ॥ संमुखयसा आकमनिर्दं वा कजयं कुरु उरुजगयं । य ६० मदातक
क्षीममयगोकन कदं कनकयुता युजंका । शिदिदातक मयुत रुयं वा विविमनुरुजा वा कुरुवि । धा विवसत्तु अतनज
गाना यतय रिदिनवसनग गाथा । कयुत वय अनागरुसर्व गा यनायन मेज (यति धु उः स्वसमुरुव स उ य क क
सर्वमेव साव आ कत कला । । कल अनागक वा विवजयं । यरुता य व के टि ग गा धु उ व द य ता सा रु म द
सन गा य यो य स मुद्रा ख उ म दं । कम स मुद्रु व या । वा वि उ ले उ व न ता य य द स न स ध य न स व न न य न य
रा स र वि य नि म दं । वा वि य रा स वि स्था वा उ म दं । वि म न द न य रा स व ज न । का य पु री स रु वि य नि म दं ।

५८

[illegible]

कथनाधर्मा। अनायासेन यदहुरिदमहानकान्वावमंदयार्थोयुक्तसिर्गुणवत्तदमनंयथा रिजात
तिदिनवसन्ता। अग्रेवकायायर्थेनानामासंयामेनोनायमरुदियातिः। गान्ताकया मनिवसति सर्वतः
कविजानगियनसाजया। वक्रलोदियनयमरुवृषावनि। एकादियंसद्विवानकया। एकादियंमध्ववि
विंरुदाजीः। उद्वदियंनिरुजसायवृषावनि। कयदियंसासगतावनिमनदियंवर्मवोवातनव। धरु
लोदि। गोदियसाजनस्यकं। विस्वयमरुवृषावनि। विरुंदिमायावमववृषावनि। उदियंविस्वयविवातनं
वः। यथावनावनि। अनायासेनमनोअहिसमसितश्चनजुजानकरुदिया। एवतंवा। विरुंयथायादि

४५

यथासिक्तं न यजान कुरुदिया (गो जीव) नृयं कुरुद्वक (धेव गध न संवत्सवः कथधर्म (अवर्तं) विरुं व सर्व
गुखादि उमयुक्तानि निववत्तममदिय संस विष्टां यरुय कदिय संसिगं। तवेदि क व लु जात मात्मकं क व त नि
(यष्ट निवाया जं व ड ज साज क ४ यरुय संस व व ज साध क ला समृष्टि ग व स्मि ग क य लु व व उ ना म ४ जि या फु क ज म
जिवा नि ग थ म वी न य ग। स्मि ग द म द ग। य न थ ज सि व स दा वि न्नी य क (धे व स दा वि न्नी य य धे व ज ग। वि खः
उ क व थ नि धा उ ज ग। स व द लु दि वि थ मि द्ध उ द्ध ग। मा द य द द ग। मी वा द य द य दि स वि दि थ उ स व न थ।
कि उ न धा उ ज ग। मी नि जि रु त म द्ध उ मा वं दि द्ध उ य ग। र वं रु वि रं व वि द्ध न म धा स्मि ग व ग वा य धा य द द र।



मन्त्रकर्मतोददमन्त्रयमन्त्राणि ह्येवाया ॥ यथा कुरुवृद्धिरेव सवत्या ॥ ज्ञानं मांतिं जं विरु ॥ अया अया य ॥ काया ॥ अया य ॥
यन्निवयुधुनिजालिजवाकिमिवा ॥ अय ॥ यानय का ह ॥ उगाय म्यादि संतं दव रु ॥ शिव मारि ज्ञान सख स्ता ॥
धाय मी ज्ञाना ॥ सन्ना ॥ दि ॥ अरु ख नु सर्व धर्मा अवि न प य य सं र वा व ॥ अ म दार ॥ अ र वा व न स्मो त्म दार ॥ अ ग य ॥
यत्कि कित्य वा त स्मा र्त्त र गा दि अ सं र वा व अ वि द्या मा न क वा वि वि द्य न ॥ अ वि द्य न ॥ य य य सं र वा व ॥ अ वि द्या
मा नो ॥ व म वि द्य या य न स्मा न य उ को अ वि द्य ॥ अ वा सं स्ता न वि द्य न स न ना म नृ य ॥ अ य न न स्मा न ग र ॥ अ व व द ना ॥
रु द्वा उ वा दान न धार व ता जा ॥ कि ज गो ना म न न ॥ अ क ॥ अ य द वा ना ॥ १ ॥ खानि स्का न अ वि रित्या नि सं सा न व क ॥

७६

३१

वथासिगानि। अरुणरुणं सूर्यं च वा विउं नं दृ नं विदु गयुन सा द्वा शं स ड सितं अमृ चु घ्नं स्य लज्ज नं य व
घ्न अमृ गयुना जयं उरु। ग वि धि रं अमृ ग व स न आत्म न य ता रु णा म व न ध म्म र्ति आ व जी ना म व न ध म्म स
ख व जा रि ना म व न ध म्म उ का रु व धि र म व न ध म्म व स य ना डि म य न क स र ४। उ द्धु वि ना म ध म्म धे उं द्धु न
रुं तं य ना रि ना म स त्व र व स म् डा वि धि ना नि म रि ख या य य था नि वा अ नि दो द स म यी त्वा या ति नां। य स्या थ य
व म द्म न क क रा अ वि कि या य जि न ना य का दि त नि त्वा ध म्म य द ध व न स ध म्म का य य नि य य मा ना रु।
स्मा व या दो य रि ख जि त्वा। ध नं दि त था। म नि मू कि स ख नं ये ने मा उ मां ग वि य द्धु रा यो। उ व र्ध वे द्धु य वि

वि वि न्ना न त्वा नि धि दि त्वा रि स द्धु ना या स व द्धु र्ग ल व स मा नि र्था। स व व ३ ध र ली न दं व ३ र्धु यि त्वा व र्धु स व क्।
यौ द्धु र्ग ना य म् ॥ व ३ ना सि क ति त्वा उ यो व दा का (ग व जं)। रि स का रि ना ग रि ना य ध र ज थ मा नि द्वा। स व र
त्वा रि न क रि न न ग नं न र्ग। स व यो ना य उ स कं न उ द्धु नं जि न स य व। ए क उ न य व र्धु र्ग उ स द्धु न व म द्धु न न
अ न क त्वा का टि ॥ ॥ य न स र्ग ना न यि उं क वि र्ग ॥ ॥ उ व र्धु यि र्ग सारु म स र्ग उ ना क उ न ना य ति व र्धु ना
म य स्त म ॥ ॥ अ र्धु ख र्ग व स म (ग म द्धु ना जाः द्धु ना द्धु म द्धु ना जाः वि न ध क स द्धु ना जाः वि नू या ऊ म
दा ना जाः उ द्धु ना स न यः ए कं थ न वा व दा मि या द्धु य द जि न जा नू स उ ता नि द्धु धी वा य नि स्ता य न राः

३२

गदांस्तनाउरतिपुनमरुगवंगमगदवावर॥ अर्यरुगवास्ववर्षरासाकर्मसुखुताजा। सर्वगुथावागः
 लायिगसवगथागसमचागरा। सर्ववाधिसतुगनमेस्कुगा। सर्वदवेयुजिगः सर्वदवउगनसेदेवेयकः
 सर्वताकयातपुगा। उविविगवउडिः सुसंसिग। सर्वदवनराउरासिगः सर्वसेतानायजमसखायुदायः
 का। सर्वननकगियिकेयानियमताकाः स्वसंस्थायक। सर्वरययुगिसमना। सर्वयुतवकयनितिवरु
 कः उरतिउफाकासयसमनीयाधिकागाजपुनायका। ज्ञानसर्वयस॥ यजमभगिकेता। अकायासमजाविधि
 धनायुदवयुसममिगा। उयदवसगसदमुयभासयिगाः मस्यरुदेगेरुगवस्ववर्षरासाकर्मसुखुताजा

३२

प्राजस्यगखीवरसुखुदवाजकानांविस्तरनययदिसैयकाथमानस्यात्माकेवउवर्षमीमहाजाजाजीसवत
 जियेवाजाती। उरनवधर्मसर्वेयनधर्माष्टगजस्यनवदिवास्वरावमक्षजसाविदेवेयिथानि॥ अस्माके
 कोयवीर्यववजस्यमंवजनिगंरविद्यीति॥ गजस्यवसिर्धवजस्रीवास्माकेकार्यमादिसगिवयंरुगवतव
 त्वाप्राजाजानांमिकाधधर्मवादिनधधर्माजाधर्मोवयुरुदगरुगनदवनागयउगंवाउजगसु
 उकिंचमहाजगोनांजाउत्वंकाजयिद्याम॥ रुवर्षरुगवतवहाजामहाजासाधर्ममहाविंसगिमदसनाउ
 तिरितनकेधयउसगसदमे॥ सगरुसमिगंसर्वउंमृदिद्यदिवनवइयाविउनागिकोरुमानयकन

वावशाकयिथामा। अजकुयिथामः यजिथावयिथामः ननरुनारुदगुगवनेस्माकं वउधामेदा
 नाजानां शाकयां नः० गिसेइत्यादिना ॥ अवाविरुदगुगवने अस्मिंजं नुदिअविषकासाः यत्रयका
 नवायदुगारविषागि। ररिउकागाशववानानाविधेययदवसेनेनयुदवसरुसेनुयदगारविषाः
 गि॥ नवयंरुदगुगवनेवत्ताशामकाताजाअसासुवधयरासारुमस्यउगुदनाजसागखावसगुद
 धाहीनां रिरुनां सधादनाकजिथाम। यदातमरुदगुगवनेवधमशागकासिउरावा। माकंवउध
 मकाजातां सवाउनयावद्धीविषातनवयम्विखयम्वसंयकमेयस्यनयविखयम्वमवः०

सवधयरासारुमस्यउमस्यउमस्यउगुदनाजविषातनसंयकासयम्व० माअवत्तातिविखयनग
 तिनानाविधाययदवसेगातिउयुदवसरुधानुयदवसगसदजाविषयसमेयिथानि। यसावरुदगुगवनेमन
 यताजसाविषायेकसगधनकासिउवाधमीशागकाउयासकगारविषागि। अयंमनयराजः० मयराज
 ००० मउवधयरासारुमस्यउगुदनाजशुनयानते। सिवगयांसउदधनकांनां रिरुनांसवरोयेधिकिआतज
 कथो० याजिगातंयजिघंयजियाजंयकथो० नवयंरुदगुगवनेवत्ताशामकाताजस्यमनयराजसासर्वविषयग
 नातावरुत्तानां आनकुं कजिथाम॥ यजिगातंयजिघंयजियाजंयकथो० नवयंरुदगुगवनेवत्ताशामकाताजस्यमनयराजसासर्वविषयग

१५

गवसुसद्यमनूयनामसुदधजकानां शिकुरिकुण्डाकायासिकानां सद्यसुखायकजले ४ सुखकां कथ्या ॥ कवयैरुद
करगवंवेत्ता जामेहानाजामं मनूयनाजं सद्यनाथ ४ सकृगगत्रकजिथ्या माउ नृकं वजिथ्या म ॥ मानिकं वयुजिग व ३ स
द्यविखयद्यवयसमनी केयं काजिथ्या म ॥ अथखरुगवां वउ ३ मलाजाजानां साधकाजमदाग ॥ साधसाधमलाजाजासाध
साधयुष्माकं मलाजाजायथायी कययंययंययं जिनकृणां धिका जयिग कक सत्रमुतावृद्ध ॥ वरुवृद्धकोटिनियुक्तसम
दमयय्य्यासिगधामिका व ३ धर्मवादिनधधर्मदसना व ३ मनूयानाकजाजलं कोतयधयथाधिकवृद्धिघनार्थसद्यस
त्वां हेरुविष्काः सुखमगविंशा सद्यसत्वादिता उखध्यासमयुगिधरकामिग सत्वा सद्यनां वृद्धिनाययसंदासीरि

七

[illegible]

子

三

रविद्यन्त्रिस्वविखयगगाधविषयजायावरुविष्यनि। दान्नाथनजसंजरारुविष्यनि। यदभावावविषयवा
द्रुकारुविष्यनि॥ नानाबाउयसगासां निविषययाद्रुकारुविष्यनि॥ यदाश्रुगवन्नसा अममुसा सामला
कयकि सरुताऊयश्चविखयगगान्यवंप्र्यातिना नायुद्वथा गानिनानाबाउयर्मगानिरुवय॥ सत्रर
एवकारुडलुरुगवंसामरुंधा कि सरुजाऊचउतं निनि सनां याऊ। यित्वा यज्ञवकु मनायस्वविखयानि ककारुवेकथजा
यं उवह सुगासारु म४ सक डजा ऊरुगे वे॥ मयुकि सरु जाऊ। साद्धे वउतंगवन्नकां थनरु विषयमृपु संक मिउका मा रवग
॥ सयक्रिसरु। विना सयिउका भारुवेक। कवयं रुदन्नरुगवन्नवत्ता नामदाजाऊ। स्वस्यतिवा जसा। अंतके। यतो

ल
५३

उभयसदसंज्ञदलोत्तास्मत्तावेसुसंक्रमिष्याम। तदेवैवकगन्धानमायुश्चक्रियनंनोधिद्वयविनिवर्कियिष्यामानाना
वाज्यसंगानिद्रासंरुजिष्याम। विद्युताश्रकविष्याम॥ यथातत्तज्वर्कनसकांतिरुगविस्वउपसंकाउंकुतायूने
वितागंकाजिष्यामि। अथखनूरुगकांवांरुजांवउहीमदानाजानांसाधुमाधुमदानाजा। साधुखनूयनयुष्माकंमः
मदानाजानांयशुयमस्याजुसंखाकताकाकिनियुउसनसदसातिस्मृजातीगायाअनूरुताया। संमोर्कवाध
प्रधायकवामनूयनोजानांअसोवसवर्धपुतासारुमसुगमउकुडनाजसा। साकनांमानांअकेजिष्यथपुगितिनां
संयनिदेउयतिष्याजसंअनिमोस्वयनेकजिष्यथ। गानिचताजकृतानिगानिचनगतानिगानिधनाष्टनिवगा

३०

नियविषयानिअत्रउचिथयजिगानंयतिरुदंयजिष्याजनंदउयजिदार्जकिस्वस्यकयनंकजिष्यथ। गानिचवि
षयासिमवर्कयायदवासर। अवायसस्य। यजिमावयिष्यथयुनवकाविनिवर्कियिष्यथ। सवर्जंमुदीयगः
गानावासासनुयनाउसाअकृतदयारुउनयाविगुदयाविवादादयोसकमाययथायथावर्कदयाकेवउअ
मदानाजानांसेवतयाजिवाजानांअस्मिजनुदिथनयुवउयुगमसदसेयुजनिवरुतासिगिनगसदसाति
कयुर्कयुविमययादिनमयुर्कनवनाकस्वयसोदिनमयुर्कनवधनस्काधनयनस्यतनविदुथययः। नवन
साजविदुथंजनयु। सनवयथायुवकमीयिकयनताजवसागिनरुयुःस्वनवता। अथयमवर्कउहातवयु

त
५३

३८

नवयनसावनविनामसायूनविखयविनामययुजाकमय। यथावास्मिंजस्वदिपुषा। चउनसिगिरः विखयः
यनयनसमससु। नानिचउजभीगिनाजसदुजानियनसमनदिगविकानि। मेरुविनिमेरुविनिमेरुविकी
नियतस्यनभाकनरुगारुउनयाविगयाविवादयासाधुत्वाविषयहरिजमनन। ननवउमेलानाजानीसः
वैनयतिवातानी। अयंउस्वदियः स्वरुविषयनि। मरुकाधनमदीयाधसवीतिरंवीति। वेदुजिनसमा
कीष्टयिनिद्विधाजावतधरुविषयनि। पतिउमासाधमोसमन्ममतिवसवीतिरसमावाजयकीनिरेविषयः
नि। अदाजाउपहनऊर। पहनऊरनउसुखीधसमाउदिषयनि॥ काहनववधधताः ४८ धिधीनियमिः

सर्वजंमृदीगनानिधसत्त्वानिसर्वधनधान्यरुमिधानिरविषयनि॥ महालाभनिवाः समनानिचरुविषयनि॥
वनियागवनि। दसकसजकसयधसमन्नागगारुविषयनि। यइयसासुगकोजाकउयस्यनदवेउजानानि
कीर्त्तनिरविषयनि। देवदवयुगेधयलमदानाजारुवक। प्यः ८८ मसाउवधुपलमार्कसासुउउताजस्य
एगारुवक॥ मानयिगावयुजिगावकयांवसुधधनकानां। रिकरिइन्युयासकोयासिकानां मोसकंसकृष्ट
उनुकय्यामोनययउयरा॥ यस्याकंवउइमहाजाजानांसयतिवातानी। अन्यनकयावयउसउसदुभाः
तांमनुकमाधायसकउसमिगधमसवहपराशरुमसुउउताजाः ४९ धनअयनधमउवसुधतिलादक

五

ॐ

न ऊयमानां त्रसंवाताय न साजाऊऊन सावसयसा मरुं ग्याना जाऊऊ गारुविद्यवि। यतिना तनं यत्रिगुदं यतिया
 यत्र नं सागिस्वस्माय न कुरुति विद्यविज्ञाऊऊन निवासिगधसवं दउगाउजावरुं नावत्रिऊन सखसो मन
 स्यन स मचागगारुवितान तागिमनूरुविद्यविज्ञाति श्रनाष्टो निगायिव विषया निवान ऊकानि रविद्यः
 गिद्यज्ञिया विगा निवान याऊगा निवाय ऊकानि वरुविद्यविज्ञा। सव्येन वकान वमदी नातिवा मय सगीः
 निवान याया सावगि। १७ वं मूर्कवे यव (असहा साजा वृगना क्षमहा ताजा विनूद्ध कामहा ताजा विनूया
 ऊमहा ताजा ससर्वरुगवन मरुदवावरागन वरुव मऊलाऊन सत्तान उगाउतरु विनवा सगधव सन

४
दि

रुविद्यन्ति॥ अथ मया की काना गगन पृथु च वनांत वना म विद्या मरुगे विद्यु ज विस्मृष्टे जाह गार विद्यन्ति॥ अथ
मोमनन कग निर्यथा नियम जा कः ३ः खान्यन ग म मृष्टि ना निरु विद्यन्ति॥ अथ मया ने गो नां वृक्ष जना ऊव जा टिः
नियम सक सक मा ल हा व पा ने नियम गगन सक सक पा नि सं दं मरु व विजाना व ना वि का निरु विद्यन्ति॥ अथ मया
म का नि सं ह का टि नियम सक सक पा नि सं सं जा त्य ति मा वि री निरु विद्यन्ति॥ अथ मया निरु सा वि दू ज वि स्मृ शी य
नि मि र य न्य स्क थं य ति श दि गारु नि वि॥ अथ म म स धा नि॥ य त मा म रु थान ऊ ह गार विद्यन्ति॥ अथ म म जा ऊ व
रु अ वि द्यो म म सि द्धा ॥ रु रु ना म रू गि॥ रु गारु विद्यन्ति॥ स स्तु ने ये वा द म मा यं स र्व वि द्य य अन डि गारु विद्यन्ति॥ य
प ती या त ग धा नू यी ति ग धा नू स्का ट क व स र्व य त व जा न व मा दं ग धा न म स ग धा न द्या स र्व यो य स र्व र विद्यन्ति॥ अः

४२

दा व म दू ज जा म म न य जा जा ॥ ने ने व नू ध न स र्व म्म र्था व र न स र्व धू य रा सा रु मे स रु द जा ऊ व ज का रि रि रु नू या स
का या सि का॥ स कू यी उ नू क यी त्मो न यं य य्मा क॥ व रु ह म दू ज जा नी स र्व ज य ति वा जा नां रु द्या व रु द व ग ना म म न क यो
व य उ स रु स रु मा म म रु ज त व रु जा नि सं स्टा स्या नि॥ उ रा जा या ना नां व ग धा नां यो य्मा नि॥ स र्व द व र व न रु उ व धू य रां
सा रु मे म॥ व धू रा सा या रु वि द्य नि॥ रु ने व वा रा स न स र्व द व रु व ना ना व रा सि का निरु वि द्य नि॥ य थो कि सा रु म
म रु स्टा सा यो जा क धा र को॥ स र्व द व ना नि स य यी ने नी रु ना नि ना ना ग ध रु य रु ना रु ना नि सं स्टा स्या नि॥ रु थो सा म
दा जा जा॥ स र्व धू य रा सा रु मे स रु द जा ऊ व य रु जा थो य ना ग ध य न ना रु ना नि सं स्टा स्या नि॥ रु न रु व रु व मू रु न

के
नि

४३

नममनदमसादिऊअनकयुगीमातदोवातकायमयवृद्धिऊकाटिनियकसउसदपुवृअनकयोगीमातदोवा
नकासमानांगेधायगेकाटिनियकगसदपानासययिऊजीऊगतिनानागधययजराहकातिमैसहस्यनि।क
वानुपमयवृद्धिकाटिनियकगसदपुवृदाजादोवागधाययानाघासाति।उवृवृधूमियावरासावाइरवि
यनि।कनवाजेरासनगानातकानिगंअनदोवातसमानितेवृद्धिऊकाटिनियकसगसदपानिउगिदिनावथाग
कासुवधमरातकंसमचादत्रियनि॥साधूकाता।मिदयदासाति।नाधूसाधूसयनूयसाधूयनसुंयेमेनूयय
सुनिममवनूयंगरुजावरासमवमविहउधमसमनागगंसदपुवृरासासुसगउनाउविहजलसं

यकासयउकाता।नयेयकसत्ताऊगयनकसमृजनसमनागगारुविहयनि॥यहूगसवहूयेरासासुसगउदजाऊ।
अकग॥आययिवा।मवागृहोयनि॥धानियेयनि।तिखियनि।तिखादययिहवात्रयीयनि।ययिसमिंय
नि।विहसतयययदिसंयकासयिहयनि।दसयीयनि॥उदिअगिस्वाधायीयनि॥यानि।अमनसिरावा
यीयनि॥केलुसादगा।सदउव।नासायनूखसासवहूयेरासासुसगउदजाऊसातनकानिवाधिस
हाकाटिनियकसगसदपानियकसदपानि।अवृवृहिकानिरविहयनि।अनरुजाया।संमयवा।धः।अथ
खनूकानिसमकादसउदिऊगंअनदिवानूकासमयवृद्धिऊकाटिनियकगगसदपुवृ।लकानिथग।

क
क

ककाकाकिनियगमगसदसादिस्वकययुकिदिगानिकनकाजनकनसमयने॥कयददकवोवेकस्वतनीध
मयगमयममानकसादिअधममनगगसोमः॥उउसंयमिथमितंसयनूखातागगधनिआधिमउ।
यदयदययिथमितंसयनूखाआधिमउवजायगगादेमताजमजायविष्ट।मवेमजाकायविष्टगिविमिगा
निसत्वेवेन।मुकाजाउतानिवगगयधतनवसाधन्याविष्टमान्यकानिस्वजकाटिनियुगगसदसाति
समजंकसिथमितंसयनूयवाधिमउहंयेतिगायिथमितंसयनूयसवालिमोदससाकअउनउताजयिथ
मितंसयनूयवदमनाजमुशायविष्ट॥इतिमनूययजमतेविरेसदसदांनानादिदिरुगनूयंसविस्वम

ॐ

नका॥

मात्रमेन।अरिसंरुसासितंसयनूयवाधिमउवजायगगाःनूयमयअनविजउस्वगमीनामनूरुतांसैम्यकी।
वाधियुवगयिथमितंसयनूखायसाजदधवजासतायुविष्ट॥सवजिनारिसंरुय।जगंरीजा।दोदसाका
काजमनूरुतधमनवका॥यहादुनियमितंसयनूयानूरुनंधमवायं॥आयुजयिउमितंसयनूखानूरुतंधम
गुखं।उउयिथमितंसयनूयमदाधमधजं।युकाजयिथमितंसयनूखानूरुतांधमकायुवखयिथमि
तंसयनूयानूरुतमदाधमवखंयेजाअसासितंसयनूयानकातिकसैगगनसदसाति।यगातयिथमितं
यनूयानेकानिकानसत्वकागिनियुगगसदसादिस्वमान्महारयसमुदागयतिमखसितंसयनूय

ॐ
दि

मानवानि सत्त्वकादि नियमसकसदुताति संसात्रवकुमा आत्रागयिथमिर्वमनू नूयन कानिगधमगकदि
नियमसकसकसदुताति। गथाधमोठायर्यगदेया। अनवेवा सो मनूयनाउ ४ यनोहिसेका जतकसजाहिसत्त्व
जसवकनेववात्मरावतवदष्टधामिकभाविगनमदगाताअथयगोविदधियमि॥ दष्टधामिकभाविगनम
दगाताउरुजसातमचागगरुविद्यकि सियावकजसावतमीवातंरुविद्यमि। सधपुठठिकवसर्वसपवव
सदधमंमसुतीटदीगरुविद्यमि॥ ७ वंमुकेववासाउरुगवंनसकदेवावत॥ यकेविरुद्धरुगवतमनूयत
ऊरुवत॥ साधुतनेव नूयधधमंसातवधमं सवधपुठठिकसाकपुठठिकनेडनाउंमनूयारा। गधसकुडधतकाहि

ॐ
५

कुरिउपुयासकायानिका। सकयउनुकयमानययउयग। अत्माकेवउधमीमदराजानामथायगदाउकुतस
साधिमंसाधयक॥ नानागधधकसंति केकयमि॥ गवधमसवनस्मारिधमदराजो। साधिसाधतनंयु।
पुयादासना। थायसधदवागावदिकिमार्कगुतथासंदया। समनकेततिखउसावतुगुरुगउंगत्या।
रिउधमोसनगरुमारुनमनूयनाअनासाकुवउधमीमदराजानामथायनागधधययोक्कासद
धयकपुठठिकगुरुगदंगसा। उवधपुठठिकसाकपुठठिकताउसायुजाधयनानावधधनानागधधय
तमानिधतनिकेसिंनवकुनसवमदरु। साकेवउधमीमदराजानांस्वकस्वकरगवतगमानूयय

ॐ
ॐ

नवीजनागध्वयनकाचुनानिसंस्तुमागे॥उदातात्रानायासाकि॥सुवर्षुवर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि
कनवरासनासावरेवतानयवरासिमानिरुविद्यनि॥उदाताःसदायुक्तसकस्यदवानामिदम्बसतस्वयाध्वमहाद
वा।संजयसावमहाजुसनायगुष्टविगतीनांवमहाजुसनायुकीनांमहाध्वनमावजया।ध्वमहायुजसनायुका।मानि
रुदसावयजुसनायुतायुका।दानियाध्वयकयुक्तसगयनिवासाया।अनुवक्तयसावनागजाजासावेनायोरुगवंकंरुग
वनस्वकस्वरुवावनगगानांकनरुतनवमृदुल्लोययुक्तसीजनागध्वयजगध्वनिसंस्तुमागे॥उदातात्राना
नागध्वनायासाकि।सुवर्षुवर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि॥कयावावेसर्षुसिध्वरुवा।नयवरासिमानिरुविद्य

ॐ

कि॥उर्वर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि॥कयावावेसर्षुसिध्वरुवा।नयवरासिमानिरुविद्य
यमजीजगानिनानागध्वयजगध्वनिसंस्तुमागे॥उदातात्रानायासाकि॥सुवर्षुवर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि
नासा॥यासा।आरुविद्यनि॥मानिध्वरसा।सिध्वरुगनानावरासिमानिरुविद्यनि॥उर्वर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि
वंकननदवावेर॥असा।उक्तुवन्मसवर्षुयुक्तुमा।रुमसासुउजाउसा।मानावनुयाजिदध्वमिकानिमानयुजा
जयिकानिउनानिसंयुक्तमानसावृष्टसदयावनुक्तुमसतमुजसा।मनयुजायुतिमिगुयुक्तुध्वयतिरुदंसंयुक्तुमाः
नामवयंरुदंरुगवतस्वरुवा।नानागध्वयजगध्वनिसंस्तुमागे॥उदातात्रानायासाकि॥सुवर्षुवर्षुमयाध्वरसा।आरुविद्यनि

क
५१३

नाचुजास्मदिवंतां का। समाताजद (ध्वेना मरुवेयनसामनूयनाजमाययकस्तत्रकटससाधिरुं नानाग (आकससिकी नानाः
जंकाजस्मजंरुकाजकजनापसंक्रमिया माधमीमवपीयः वक्तावसदापति। सकवदवानामिद। सनस्वगिवमदादवी
दध्रापीधमदादवीदध्राव। दधिविदवगासंजयश्च मदाजकस्य नापतिनष्टाविगतिमदायकस्य नापुययवामदध्रजः
यदवयगावजया निध। उद्धकाधियमि। मानिक उधयकसनापति। दातगिवयंकयुगमपतिवानाः अतवनयकध्र
नागजाऊ। सागजश्च नागनाऊ। अतकातिधः दवकाटिनियकसगसदमुसाविजु (यैनामसुवेयनतकसोमनूयना
ऊसाः यककंनानाजंकाजस्मजंरुकाजकजनापसंक्रमिया माधमीमवपीयः वक्तावसदापति। सकवदवानामिद। सनस्वगिवमदादवी

ॐ न

दीर्घानानातंकाजस्मजंरुकाधमीसर्मयुद्धयं उधमसिववायकवयंरुउकरगवांवतागामदाजाऊअ (नकेयऊसकुसद
अजरेवसर्वगाधर्ममगारविद्यमसुसा मनुयनाऊमा काना नमिरुसादायकस्य काना नर्मययकसममानुर्लतसामदा
जसादाजदाउ॥ अतनधमी नृकजयनसकायिगा। सकः कस्य मनुयनाऊमा नऊंकजियाम। यतिगातेने यतिगदंयः
नियाननं गा निस्वस्ययनेकजियाम। कस्य नाऊकजसावनगजसावविद्यययसावनस्य ऊकजियामः। यतिगातेने
यतिगदंयतिगातेने। यानिस्वस्ययनेकजियाम। गवविद्ययंसेवीयदवासं (यायायसस्य॥ यतिमावयियामः।
॥ यः कश्चिरुदकरगवमनुयनाऊमा रुवयसावनमनुयनाऊमा विद्य। यः सुवदुपेता सारुमसासऊदनाऊसापुवकः

८५

॥यदात्रासोरुडुरुगवत्तनयनाउ।सर्वधुयकासाकेसिमासुडुजाउमात्रातकारिउरिउयुयासकायासिकातं
मकृष्टानमानयत्तयउयदस्माकंवउधुमदाजाजातामनकोनियउकाटिनियुनगतसदसाविनकातिधुमेसा
वने।॥८५॥मृगजसातनामंययत्तयुगिमनियदिवाभरावातिमदमाउमानविनृद्धेयतवास्मादीयेवम्ह।८६
मववत्तंवसेउतयगउसासिधुत्रश्रीवास्मातंकायस्वतविद्धेयतवांगयिधुयंरुगवत्तवातामदाजाःसर्वी
तयतिवाजाअनकेयउकाटिसीयगुगसदसानिस्सावविखयमर्जकातेयामारुडुगुरुगवत्तविखयमस्माकम्
धुउउसर्वविखयवासिनादोःयतन्मस्विखयउयक्रोदिदवकाधुडुनरुगवत्तविखयमयउगागर्कयविखयनाना

विश्वविद्यालयेविद्यानि।दान्नातिवतामजरातिरुविद्यनि॥सर्वविद्ययगकातिवसत्तानिकजदजाकानिरुविद्यनि।रुडुनज
कानिनिविहरीकानिवादमायनानि।नानाविधाधुयदजायाविषययाइरुविद्यनि।नानादिशुःआगका(आत्कया
गाःयाइरुविद्यनि॥यदुनऊगतिवयनसात्रनविनृद्धेतिरुविद्यनि॥उर्ययुगिन्नुयकानिवसमात्तादयिद्यति
वदगुलाधुयविद्यनि॥उर्ययुलावसगगममिगगगनकजगकोउर्यवदमासीनादकेथगकोरुविद्यक८३कता
तयदमवधुनियतिवसकानिगगनाकजकात्रनकार्जयाइरुविद्यनि॥एथिविकमथिरुविद्यनि॥कयाधुयथिवी
गगा।संजयरा॥आयनिविषमवाकाधुवासाति॥विषमवर्खाधुयविद्यनि।एथिवि।इरिउकानातुधुसर्वविष

का
५

यह विद्युति ॥ यत्र न ज्ञानि व ग द्वि य र्य वि न द्य नि ॥ आ या स व द्रु सं र वि द्य नि ॥ क र्थ म म्मा र्क र द न र व द र्श म द्वा ता ज
नां स व ज य ति द्वा ता नां म न क र्मा व द्रु स उ स द र्श नां वि द्य य त्वा सि नो व द व मा ग नां ग द्वि य य म्म उ न म्म उ वि द्य य ॥
मा न य न य ति ना ना वि द्य न्त य द व स ना नि र वि द्य नि ॥ उ य ड व स द र्श नि वा य ४ क र्थ र उ न र ग व म म न द्य ना ज्ञा
र द्रु का स व स र्ख ॥ य आ म ना म र्हा गे न डो क उ का मा र द्रु ग वि द्य न्त ना ना वि द्य नि ना डो र्ख ना न र वि ड को मा र द्रु ग
स र्व स र्व म म यि ता न वि ज य ना जं तं क उ का मा र द्रु ग ॥ स र्व वि द्य य त्वा सि नो व स त्वा नां स र्वा य यि डो का मा र द्रु ग ॥ स र्व य
त्र व ज्ञा नि व य ना जं तं का ज यि डो का मा र द्रु ग ॥ स र्व उ र्ध्व न वि द्य यं य सि ता न यि डो का मा र द्रु ग ॥ ध र्म ना जं तं का न यि

82

उक्तमात्रवत्। स्वद्विषयकसर्वरययदवांसेये (अ) या या या या ॥ यत्रिमात्रयि उक्तमात्रवत्। ननवरदकुरुवावचमन
 यत्राउं नायमेव उक्तमात्रम। म उ उ ना उ ४ (या) क वा। यत्रावकास्तटाजकारि कुरु कुरु यु या सका या सिकाः सत्क
 रुवा ॥ उत्रावका मानयिरुवाः यत्रावकाः वर्यवता नामदाजा ४ सयत्रिवा ना अनेनेव मने सवने क सत्रम
 ना। यत्रावना ननधमा मृगुत स स रु य यि रुवा ॥ अस्माकं वमत्रिदिवा नलीवानि मरुता उसा विवर्द्धयि रुवा ॥ क
 तमा रुनाः शयलु दनरुवंगे मरुत मनु जे ये उ ना वर्य मयं स वर्य यु रुना रुम स रु नं दता उसाः। (ग) नवीः या वानि
 रुग उ न रु ग वं व रु उ य गो किकता कारुना विवना ना विधानि अस्मा नु सुदय नाति ॥ या वकि वर्य क वं द व रु य

६
चि

उद्विक्तानिरुविद्यन्ति। नानानागमनरुविद्यन्ति। यथाज्ञसत्त्वानानककथकाकिनियुक्तसगसदसादि। अत्रि
नृदाताज्ञानानिसत्त्वानानरुविद्यन्ति। वृद्धयत्नगतिः ४ साद्वसमवधानगगानिरुविद्यन्ति। अत्रागमवधनः
रुत्रायां संमायां वाधिमति संरासागागमवधमतिदिगवकाकथागमः नादं गा संमायं वृद्धतः सदकाकवृथाव
त्राधिष्टाननः सकाटिनियुक्तगमसदसातिदिवागिनकगजः नुरुत्तगाथागमज्ञाननाताविधानकः सर्वयं
लिङ्गविगतकाटिनियुक्तगमसदसातिनेकसा संमायं वृद्धनवद्वं काटिनियुक्तगमसदसातिनितकः वनः
गयाधिष्टाननः सरुगवता गाथागम नादं गा संमायं वृद्धनायं उवर्षेरासारुमे ४ सगुदनाकाविमत्तन

७१

ना। सर्वमेत्वानामथायदुजस्रद्वीयसयुकागिराः मनुष्यताजनसर्वजं मृदीयगगानि। तोकीकलाकाठनासिनाजकाः
योनिनागगासुसिज्रागकननानि। नियुक्तानि। यत्रिमासवासासिनारुविद्यन्ति। नानिसर्वोनेरुगवताः कथागमना
दंतासंमायं वृद्धनायं सुवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा।
उदनागतपुत्रयनुरुत्तमनुष्यताजनवथमया। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा।
या। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा।
सुवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा। उवर्षेरासारुमे ४ उदनाजमा।

६
न

उध्वावकारि कृतिरुपयामकायासिकावृद्धि उमात्रायुदमकादवमनय्यासूनसाताकसावृद्धि रथातिवनिश्चिकि ॥
मंडवप्रपुतासार्कमसुदुनाजविस्तृतः संयुक्तमयि योचि ॥ अथययव्यातिवृत्ति मदात्राजसुखीः सरुदध्वातका
नाः रिक्किरिक्कयामकायासिकानीमनऊककया ॥ योजियातर्तयतिशजर्तयातिगदंउयतिदानं ॥ मानिस्वस्थय
लंकागया ॥ यथावसुदध्वावकारि कृतिरुपयामकायासिका ॥ आनजिगुतवया ॥ अनवीतिना अनूपमै (यौ) दायमा
४ सखविर्ल ॥ मंडवप्रपुतासार्कमसुदुनाजविस्तृतमवानां संयुक्तमयि उं ॥ अथयवृत्तिव (सो) मदात्राजाः ॥ ४४
त्राक्षमदात्राजाः विनूयका मदात्राजाः विनूयाऊ मदात्राजा ॥ उस्थयामनरा ॥ १ की अनिडो वृत्तिरुनासंगकत्वाः ॥ ६

५२

॥ दक्षितजानमउर्जयथिवाः यकिह्याययतरुगवांसुनाजतिः ययमाकसां वत्राया मरि संमुखः सानूयाति अथातिरुगवां
गमरिष्टुवा ॥ जिनवृंदविमनवमृजिनमर्यसदुकिननार्त ॥ जिनकमत्रविमत्रारुनर्त ॥ जिनकमउमृक्षत्रविनजद
पनाय ॥ जिहउतसारतः कतामनकनवाकनजिनसमूहं ॥ हाना मृगगतिनमृष्टसमाधिः ॥ गमदुसंरुवकिं
जिनवजनचक्रविगंसमननागिरुथासदुआसंकनवेजजात्रवजिर्तुः ॥ दंसउयथाववजजातं ॥ कावेनगितियक
मी ॥ सवर्षकनकाजेमेजिनंगिरिद ॥ सवर्षमनूकताः ॥ वृद्धिगतिउजिननमस्यामा ॥ आकासउजवउसंसदसंउउकव
निकथागगसंअकं ॥ मयामतिनिकत्रासमंसद्वेनः ॥ जिनमेनस्यामा ॥ अथयवृत्तिगवां ॥ वृत्तिमदात्राजानुअरिव ॥

गनानि। न सर्वदेवगताः ॥ ४८ ॥ वरुणमिदं यमुदिगाथा। न जावत्तवीर्यवर्ततरुता। न तत्र मर्मसर्वदेव न मरुताज
 मात्रदेवकार्या विवर्धयिष्यन्ति ॥ अर्थः खत्रुवत्ताता मदाज्ञा जारुगवता रिकता उमा मव नूया गार्था ॥ ४९ ॥ त्वीय
 केयो वरुव उरिज्ञाया स्तारुद्ध म्वरेय न मूद्रुमा रं। यमादिनाः ॥ ५० ॥ निपुत्ररुया मा स कव स माते। सति
 त्। यरुतिरिजं पयं रेने विरुनयी तिसख मो मनमानः समत्वा गकारुत्वाः यत नयि रगव न दिवा मदा न वरु
 म्मेन वकिरु निस्मा ॥ अत्र कितित्वा स्तया स न यः यकी आनि व व जानिः या वानि त्वा द जिना जानु मंडवानिः यः
 धीया यिष्टिष्टय यतः रुगवा स्तना जर्तियु नं मा। रगउ न मरुद वा य ॥ वय मयि रग वं रुद ग व ताता मदा

नारुणके कामदा ना जाय वरुण स गयति वा वाः धर्मज्ञानक सारिः सदा नूव द्वा र विद्या नि ॥ रुच म्म रान क मान
 नाय यति वा न नाय धनि ॥ ५१ ॥ वरुण सारु म्म रान क मान नाय यति वा न नाय धनि ॥ ५२ ॥ अथ
 नृस न स नी मदा द वी उ कां स वी व र या व नि त्वा द जिना जानु मंडवानिः यत नयि रगव न दिवा मदा न वरु
 रुग वं न मरुद वा य ॥ अत्र कितित्वा स्तया स न यः यकी आनि व व जानिः या वानि त्वा द जिना जानु मंडवानिः यः
 यकि रान क म्मु य मंड निष्ठा मि ॥ धा न नि वा न दा सी मि नि नू क व न ना र वं सं रा व यि ष्या मि ॥ मदा न व व म्म रान
 क सारि रु न ना रान सं को नि ष्या मि। यानि कानि त्रि नू य द वा जे नानि रु न। स व रु ष्ठा सारु म्म रान क मान नाय यति वा न नाय धनि

६८

क्षान्तिरविद्यमि॥विस्मयिगानिबगान्यरुसमीनि॥वसाधममिगानकसाहि॥४॥सुनिनूकपुदवाजना॥नूपसंदति
 यामि॥आतनिवानयदामामि॥स्मरयसयमायनावयथावायं॥सवर्षयुरासाकमः॥सुदुजाजा॥गर्भावृद्धम
 मरुमावनूक॥कृतमेतेनानांसवानामधायचिनं॥उमदीययवतगा॥नवजि॥यमकेधाययव॥अनका॥निव
 मवानि॥०॥मंसवर्षयुरासाकमः॥सुदुजाजा॥सवाना॥अविगामि॥पुसुरवय॥अविशवज्ञानस्तुप्रयुगितरुग
 नउष्ट्रमववजायः॥संयुगितरुयः॥संयुगितरुयः॥आविगाननयदंवा॥यिनिमि॥गंधयन॥सकंधयुगि॥गुदीयुस
 सवशास्तुसनाश्चरवय॥नानासिन्धादि॥विज्ञाथगादिदंसंयुक्तवानकस्मराविद्या॥मि॥वसाधममिगानकसा

५१

लिङ्गस्यार्थप्रमसवतिकातांसवानामधाय॥सर्वेयदनउ॥उ॥उ॥मननयो॥अकनिकनरुकरुय॥उ॥वशमनर
 ॥स्वप्रविद्याकयी॥अस्वको॥खादवजा॥उ॥यममया॥सा॥नि॥अस्वप्रयामन॥यनना॥युयगि॥ववविगा॥वावा॥अ
 जावना॥एकी॥गीति॥यस॥माक॥समी॥०॥उ॥रुस्ता॥मदा॥रोगी॥वा॥मक॥उ॥नृत्त॥वा॥नी॥व॥क॥स॥उ॥रा॥स॥उ॥त॥स॥सि॥द्र॥की
 उ॥उ॥नृत्त॥संग॥य॥ज॥य॥र॥य॥स॥य॥व॥द॥न॥म॥न॥सि॥ना॥स॥मा॥व॥क॥उ॥नृत्त॥व॥र॥क॥उ॥म॥सु॥क॥सं॥व॥या॥०॥न॥व॥द॥न॥व॥उ॥उ॥ता
 उ॥सि॥ना॥ना॥ग॥क॥स॥न॥॥॥गानि॥स॥म॥रा॥गा॥ति॥पू॥य॥न॥उ॥रु॥न॥मी॥व॥ग॥॥०॥म॥म॥नु॥य॥धे॥नृ॥त्त॥य॥ग॥ध्वा॥वा॥ति॥म॥नु॥य॥क॥
 क॥य॥ध्वा॥॥स॥र॥क॥क॥न॥जा॥क॥रा॥वा॥॥०॥स॥न॥॥०॥उ॥उ॥जा॥न॥वि॥न॥क॥उ॥य॥स॥द॥अ॥व॥ग॥सि॥क॥की॥उ॥रु॥य॥की॥॥वि॥क॥

विमलमणिगीतमणिमधिवंधुमवगिरिगिरितिर्यस्तिकखादा॥ (गामयनमदुर्गुतामृकिय्यानिस्थायय
 यय॥ सवर्णरौ॥ उयुरा॥ उमधुननसुपुय॥ धर्मगानिवयनूयाविववातिउरुसुयय॥ कया॥ ४३
 धिगतस्तोवत्वासाघटेवैतिन्या॥ उ३ नंधुययनिर्ययवरुयीतियेउयनदुगोधुउयनाकोध्रगादवि
 स्मर्तकता॥ आदसनयदायदायधुनसोकेनिधाजय॥ सामावंधनग४ कया॥ ययथाकाय्यिसकाय्य
 स्मालरुका॥ अनेनमनयदकमनसिमार्धधसमाजरुतासाय॥ धदं॥ अनेकनयनदितिशनितखिलखा
 दा॥ रुगर्वकाष्टेष्टेगा॥ स्नात्वाअन्यतमंउजायतत्वातथाउजाजय॥ कयथा॥ सगकवियकवियगावगिखादा॥ नः

ऊजायायात्रयकवउदित्यनऊऊजमयीजवावात्रासिकमयोरुवदं॥ धो३ संअरुमांरुवा॥ गामा॥ लुरुयदानूयासमविम
 मस्वादा॥ उ३ कस्तादा॥ गायनसंरुगायस्तादा॥ स्तध्रमानुगायस्तादा॥ नातकध्रयीस्तादा॥ अ३ नाजिउवीयीस्तादा॥ दि
 मवतारुगायस्तादा॥ अनिमिववकायस्तादा॥ नमोरुगवर्णयादा॥ येनमासजस्तोमिवाउमनुपदासुउद्वानमसाउ
 स्वादा॥ उ३ नस्तानकमीलाकसाधर्मरानकस्यरिउ३ जथायकया॥ क॥ धर्मश्रवतिनाकोतखरानामधामंयस्वमावादनग
 गमसिद्धयदवगले॥ साही॥ ग३ व३ मवा॥ म३ न३ वा॥ स३ व३ गा॥ गा३ य॥ स३ म३ व३ क॥ ति३ य॥ मि॥ स३ व३ ग३ क॥ ति३ क॥ न३ व३ न३ उ३ ग३ ज३ म३ यी३ वा३
 ३॥ स३ प्र३ वि३ ना३ य३ क३ यी३ ग३ स३ व३ का३ स्वा३ द३ व३ ग३ ग३ य३ स३ म३ यि३ य॥ मि॥ य३ क३ मां३ स३ उ३ द३ वा३ त३ का३ नां३ रि३ इ३ रि३ इ३ न३ य३ या३ स३ का३ या३ सि३ का३ नां३ की३ वि३

६

११

तानुयस्यारुवगार्संआननिर्वीतंययगिजरय॥अवेवरीकाधरुवय॥अवेवरीकाधरुवयवानुक्त्यासंमार्गंवा॥अ
 सनुरुगवोमनस्यदवोसाधकात्रमदागसाधुसाधुमनस्यगिमहादवीवक्रउनदिगाययोगियेनावक्रउतमुखाय॥य
 म्रयादीमानिमकुयधीसंयुक्तीनिमात्रसतस्वगिदवीरगवक॥यादाहिवंदनंरुक्ता॥एकामनिष्ठु॥अथखनूवाय्या
 कर्तुकाडिताःमहापुद्गल॥गोमनस्वगिवालायगिस्म॥मनस्वगिमहादविद्युजानियामदकयाःविस्वागासर्वतोक्पूवत
 दकमहाउत्थानिषत्रसमासिगाकाऊडरुविवनवासिनी॥एवमवाययागि॥एकयादनेष्टिगंष्टि॥सर्वदवासमगुनी
 मप्रवदनविंदजिह्वाविमुखवःसत्वानीराखंडववतंउरुं॥ ॥सामधर्द॥मृगविसज्जज्जज्जज्जदगीदिष्टत

विंगप्रविंगनवगिमुखमहीविस्ममगिदिस्ममगिअहिमगिगतविगतवंप्रतिविविमितिमियानयआकथ्येकयियासिद्ध
 वरुसाममुखिभविवाते॥अथगिदकअथगिदकमूर्धनमप्रिप्रविमहादविष्मिद्वेनमस्त्वातंसर्वमतनांवद्विजय
 किदगारुवउविद्यामसिद्धिउगुरुआकथ्येककावादिष्ट॥गयथा॥महापुत्रावदित्रिमिमिविवसुमनवंतंमु
 ममायासर्वसत्वानाकःरुगवयादया॥मनस्वगोनूरावनकदातकवति॥दीतिमितिहितिआवाहयामिमहादादा
 वी॥वृद्धमेषनेधर्ममगनसंघमनन॥उसत्यनवननसत्यनयज्ञाकासुवादिता॥मक्तिगनकवांसुवादिद्ववतन॥आ
 वाहयामिमहादवि॥दिहिरमितिविवजाममहिनामायासर्वसत्वाना॥नमारुगवगसज्जस्वगिसिवाउमकुपदाःस्वाह

॥ अथावायवाकादिनामदावक्ष्ये । सजस्वामिमहादविशमिमोपाधारेन ह्यवीर्यजयचक्रमरुतपक्षादिसर्वगोप्या
 मिद्विषयवज्जालमंवातुकीवे । यामारुपमेषवज्जालमहादविमदवगंशवांसजयताकांताताविविक्तुदीसमतेरुका
 गसजस्वामिनामविशतनेशपुष्पाकागाविमज्जानउलोविकीर्ण । नानाविविक्तुवहायदयनायास्त्रायामिनावसवा
 काउलोविमिष्टे ४ सिद्धिकताये । ययसुक्तगाये उनाकताये । विमज्जालमाये । कमजादजाये । सजावनाये । नयनागा
 माये ॥ उकारुगयाये उरुदसनाये उलोविमिष्टे ४ समनंकगाये । नडायमाये । वीमजपुलाये । हूनाकताये । स्मृत्स्मिन्म
 गनाये । सिद्धिमाये । नजवाहनाये । नजमभिवारुस्मृत्तंरुगाये ॥ वरुगय (थायदसनाये । मनाहवाकये । मृद

स्वनाये गरितपुडायसमचिगाये नमः स्नादा ॥ अदंदविमेनेस्नामि । गामययवृत्तयुलोय । सर्वमत्तानां विमि
 द्वासिद्धिपददारुमवकायामिनिर्वाचनऊरुमासर्वसत्ताधमरुमधी । गाममायउत्तसंयुधवाकां । कनसमृद्धय
 ययथाचुवीथीः सव्वारियायधनधनातातिसिद्धिप्रयायायिसिद्धिमहाजामिनि ॥ ॥ ॐ श्रीमद्वरुगयसालिमः
 मृददजाऊ । सजस्वामीदविशतनेवलीनामः सम ॥ ॥ अथस्वपूमीमहादवीरुगवर्चपुनंमासकदवावर ॥ अदमवी
 रुद्ररुगवतरुगावागीमीमहादवीरुगाधर्मकानकसा । हिऊनीस्वकार्वाकतिथामि ॥ यदिदववत्रायिउपाउसयनास
 नज्ञानपुकारिस्वययतिक्तातेतनो । आयकनलेयभाधराकस्य । सवापकननेसंमाकारुविशति ॥ अवेउत्तगांयतिन

५
५

नवनसुवर्णजनातिमकनतयवनगीमदादविपुगितसंगिस्म॥यकधियुनकावानासिविवद्विष्टकासारुवगनः
दकंउर्याधयोगवाउविगवसुयावगनसुगंधवसनयातिनाविगवी।नेमगसुगवगनतकउमउनसागतवेउ
यकनकगितिउवहकावनयताससियगधगगसादुःसंमार्कवृद्धिमाहिरुत्वा।नामधायमवातेयिगवाःसिखादवा
हसुनगस्यायूजाकगवा॥ययधयगश्चधदागवा।नानानसविहानावनिऊफया॥गसावउवहयुतासाकमस्या।स
दताऊसानुलाधनगनकाजनगीमदादविमसादुःसमवाहतिथकि॥गसावमदादयात्रासिविवद्विष्टा।ने॥नगीम
दादविमावाहयिउकासन॥भविशाययऊयामि॥००मविशामऊमानयिगवा॥गयथा॥तमःसर्ववृद्धिनासगिना

६०

नागनययुनाना।ननसर्ववृद्धिवाधिसत्त्वाना।नममेकीयपरिगिनाःवाधिसत्त्वाना।गवांनमससुत्त्वमाविशाययऊ
यामि॥००मविशामसुत्त्वमाविशाययऊयामि॥००मविशामसुत्त्वमाविशाययऊयामि॥००मविशामसुत्त्वमाविशाययऊयामि॥००
ऊयानधमिगामदागोनिःमलोगजायसंगेदि।तिविमंगुदीनसमयानुयातना॥ममदाहिवकाधसनामेउपा
दा॥७कामयिपुदाअविसंवादनमरुपुदा॥समववातिहिरवन्नकरुसह।यावृगधायमानेःसकवखाऊ
हा।यिषगसंयंवातिनयवीकाअयनाससववृद्धिनारुणवगाःययधयगधयऊांरुत्वा।अमनयसर्वसत्वा।
नांकरासर्वरुहानसायतिपूननायउतसववाहियायाःसमिधंउ।किपंसमदीउगगदं॥मवाऊरुत्वाविह

५६

५७

नंवातंन्यायकनंवा (समयनमवतककृत्वा। गत्रयुष्यध्ववदगवा। ओ३ मासतंयुष्ययिकर्वाः युष्यावकीरु
 उगमिकया। गकसुऊनंशीमदादविषादिमिह्वानगसुस्यगि॥ गस्यादायगुदेवागमगमवानगतवानि
 गुमवाविदानवानन्यायकनवानजाउकनविहकत्वांकनियनि॥ दिनलेनवासवउनेवातननवाधन्यादिसुक्षीयक
 नवसमीधारिसुवसस्वापधाननासखिगानिरुविह्यनि॥ कसममृनावयदियकागनसर्वीसियादवा। समणराउ
 पुसंनदाकवाः यावेकीदंकजापुसुसागि॥ नविनविह्यनि॥ सवीरियायाविखायजितयिह्यनि॥ हुनि॥ ॥३
 वरुपुलासारुमः सउदनाऊथीमदादविघानिवरुनामनवम॥ ॥नमागवकननसिखिनः गधगगस्य

नमःसवधुजेताकनचुगकसाः नमःउवधुमेध्याऊनजास्यकना। गथागकस्यनमासदायुदिपसा। गधगकस्य। नविनकउना
 मवाधिसत्वा। सवधुपुलासारुमनामवाधिसत्वः सवधुगध्वानामवाधिसत्वः सदायुमदिगानामवाधिसत्वः धम्मगगानामवा
 टिसत्वः पुनासिमनाऊननामवाधिसत्वऊननामवाधिसत्वः दउिननत्वकउनामवाधिसत्वः। यच्चिमनामिगायनामवाधिस
 गकः॥ उरुनइइंरिध्वननामवाधिसत्व॥ ॥सवधुपुलासारुमसउदनाऊनसवधुवधुवाधिसत्वानामसंधांजसियति
 वरुनामसुसम॥ ॥अथस्वपूदध्ववधुठिठिदवनाः रुगवनेमगदवावरा। अयंरुदउरुगवना। उवधुपुलासारुमः स
 उदनाऊनगादेवानागुग। धनियरुयाउमावानगनवानगतवानिगमवाऊनयदवातनयपदगितिकदववा। नाऊक
 सवधुपुलासारुमसुउदनाऊनमानिवाधिसत्वनामानोयभवयगोवाचयनिगवाधिसत्वानिखंजातिस्मनाएवनि॥४

धृ-
न

३२

नवाउयसंकमिथ्यानि॥यथायंसुवर्षपेरासार्कमःसुउडाजाविस्तृतनासंयुक्तसयिथ्यानि॥यउयउरुगवत्पृथिवीपृथसगः
स्यधम्मज्ञानकसारिउःआरुकरयगगसाधम्मसितपुङ्गकरविवा॥यिनि॥यउयउरुगवत्पृथिवीपृथसगः
सागमसुउजाज॥विस्तृतनसंयुक्तसयिथ्यानि॥नमसदंरुदकरगवनःददापृथिविदवगवःपृथिविपृथयथागमिः
यामि॥अकधम्मसितगगामिःअदयमाननामलावनार्कमायनवःगसाधम्मज्ञानकसारिउःयादगमोपगिसांनयो
रुतिथ्यामि॥अम्मनंवाननधम्मसवदत॥धम्मपुनजसनसमंययिथ्यामि॥संयुक्तिमानयिथ्यामिसंयुजयिथ्यामि॥अ
त्मानंवसगययित्वायगिमानयित्वासंयुदययित्वा॥मंसमदृष्टहीजाउन॥सरुमाविदथिस्तुअमानंवाननःदधा

मणिवदनधम्मपुनजसनयावद्वजमयःपृथिविस्तुकेचनमयादाय॥पृथिवीजमाननिवर्द्धयिथ्यामि॥संयुक्तिमानयिथ्या
मि॥उयजिगधमंसमदययगपृथिवीगनसुसदायःपृथिविमउजंमि॥यनपृथिविनसनसदयिथ्यामि॥अजस्तिगजायमा
पृथिविकतिथ्यामि॥यनास्मिंजमुद्धोयःनानारुणउत्थायवावनमगयउजस्तिगजाःउजादयिथ्यामि॥सवाज्ञामवनव
असस्यातिवर्नानोविधानिउजस्तिगजानिरविथ्यामि॥गधर्वगजासिस्तिगजालि॥अस्वादनियानिदसनियगताविथ्य
रुविथ्यामि॥गवसत्वास्मानियानराऊनानिःनानाविधानिउजउकआय॥वजवशदियानिविद्वयिथ्यामि॥गजावन
वशूयसगवागगागगयत्वाःनानाविधानियुधिवागगागनकानिकायसगसदुजाविकतिथ्यामि॥उम्हामाकिवा

५
७

यथेष्टानि ॥ वनगीयानि कर्मानि विविधानि ॥ गनद उतारुदुरुगवन्मर्वजमुदिय उमधरुविद्यनिः सति अष्टगथा
वमगीतद्वेजेनाकीरुमन्यधरुविद्यनिः सर्वजमुदियवसत्वाति मुखिगतिरुविद्यनिः ॥ नानाविधिरुनेमनुरुवितिः
गानिसत्त्वानि कजावरवर्धः नृपसमन्नागगानिवरुविद्यनिः ॥ असासुवर्धयरासास्मिमा उरुदुजाउसाधायोमयांस
नदुटातकानां रिरुहिरुपुयासकोयिसिकानां समासनगगानामनिकः मयुसंकमय ॥ उयुसंकमित्वागानिपुसववि
रुनिमवसित्वानामथय ॥ दिगायसखायगात्रमैरागकानधायय ॥ असाउवर्धयरासास्मिमा उरुदुजाउसाधायोमयांस ॥
अदंदरायुधिबीदवगासयतिवाताउज्ज्वित्तरुविद्यामि ॥ गनरुदुगवन्मर्वजमुदिय उमधरुविद्यनिः सति अष्टगथा

३३

वि४

गानिकंरुविद्यनिः ॥ गजवशीचनक्रोधास्माकं कायमावक्रान्ति ॥ मयवरुगवदरायां एधिबीदवगायां अतध्रमा मृवजस
नसकयिकायां मदागजावरनवीर्यसुसवययगिरुप्रायां अयंमदायोधिविसयक्रानसदासिकायाजमुद्वीयामदगा
एधिबीनसाववद्वयियनिः ॥ अज्ज्वित्तरुविद्यामि ॥ गनरुदुगवन्मर्वजमुदिय उमधरुविद्यनिः सति अष्टगथा
सानिसिकानि वृद्धिस्वनृधिनः ॥ यत्नगावगमिष्यनिः ॥ मदाकिवरुविद्यमदाकिवरुत्वा सर्वसत्त्वानि ॥ एधिगगानि ॥ नाना
युगागयनिरुगुपुयराक्रानिः ॥ सखानिवातुरुविद्यनिः ॥ गानिवसत्त्वानि नानाविधीरुनिद्यानरायवसुः सयनासनवा
वसनरुवतविमानोयाननदोयुसकनिः ॥ मराजदकदागादिनिः ॥ मातवन्मयाभिः नानाविधानृपकनसत्त्वानिष्ट

५४

एकत्रयुगागंसमिच्छन्ति ॥ सखीतिगतिमत्तानि मदाधनानि । मदास्तुतिविरुद्धिनि ॥ विप्रजत्रयसिपुसनातिर
विच्छन्ति ॥ एवमुक्तं गवाहृदायुधिद्वीदवगमनदवावग ॥ एकविंशतिविदवकसत्वा ॥ ७७ उवहरो सारुनस ७७ उता
का । मन्त्रकयदमविष्टनूयुक्तं ॥ गाननूयकाना विन्वा गयति ७७ दवनी काय ७७ अना कना मरुवदवदवनि । ७७
काययुययत्मान ॥ यका विच्छिद्वीदवकसत्वा ॥ ७७ सा सव ७७ पुता सारुनस ७७ उता ७७ सा थाय कानि ७७ ना नि स मंतं ७७ रुव
नन । ७७ मन्त्रकयदमविष्टनूयुक्तं ७७ काय काना ७७ एक उच्छि म्मा म्मा जं क गानि वदव गाना नि । मन्त्रकस का म विवत ७७ दव
निकाय ७७ सदन ७७ मयानि दिवानि ७७ विमानि ७७ सखीति का त्रसा तं क गानि संस्थ ७७ थं नि । मन्त्रा ७७ ७७ मन्त्रा शा का ७७

७७

विश्वानुसू सयजत्रयो मेयु दिवा विमानयुयस्य ॥ मन्त्रकसमिष्टुधि विदवका सयजत्रमय दिवा ७७ विमान सय दवा ता
नूयय ७७ । अविच्छानि दिवा निरुद्या निपुण नूयु विच्छन्ति ७७ एवमुक्तं ददायुधिद्वीदवगमनदवावग ॥ कना
दं रुद गवददायुधिद्वीदवगमनदवावग ७७ सा ७७ रि ७७ धर्मा सन गन सय ७७ ७७ ७७ विदव सा वसि स्या मि । अ
दय्य मान ना म गव न ग स ७७ धर्मा सन क सा रि ७७ । नूयु माय न द्या उ ग र ७७ पु नि स रु हि स्या मि । यथा यय सव ७७ पु ता
सारुनस ७७ उता ७७ सा ७७ । वृद्ध स रु सा व नूयु क स नाना सत्वा ना म था य वि तं ७७ उ म्वा दी य ७७ पु व न ७७ । न व ७७ विपु म न
दवाय ७७ सत्वा नि व मं स व ७७ पु ता सारुनस ७७ स ७७ उता ७७ उ ७७ पु य ७७ । अना ग र ७७ धनी नूयु ना म्मा ७७ का वि म रि ७७ सु वि

धैका२

य॥ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥ ॥ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
सुखेना जदराय धि विदव गायेति वेरुना मंदोदस ॥ ॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
नष्टः विमलिरि मरुय कर्मना पुगिरि साद्विमुखा या मना दसवी वरुन या दृगः दक्षिण जानु मंडुतं दृष्टिवां ॐ
यमिययनारुगवां सता उरुति पनमा रुगवंतु मरुदवा वरु ॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
उदना जगता दवा नागरुधने ययय मवान गतवाति गमवा जने पुदवा दवा दवा तस्य यय गतवाति क
दतवा वा जकतवा दवा दवा वति स्थिति ॥ कता दं रुद रुग वरु स उधना मः सना पुगि ४ साद्विमुखा विं स

ॐ

किरि मरु सना पुगिरि ४ ककगा मवान गतवाति गमवा गत वयदवा तस्य वा गितिकं उरु वाना जकतवा उय संकमिण्यानि
॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥ ॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
सुखेना जदराय धि विदव गायेति वेरुना मंदोदस ॥ ॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
नष्टः विमलिरि मरुय कर्मना पुगिरि साद्विमुखा या मना दसवी वरुन या दृगः दक्षिण जानु मंडुतं दृष्टिवां ॐ
यमिययनारुगवां सता उरुति पनमा रुगवंतु मरुदवा वरु ॥ अथ सवनेन कर्मिण्यानियमता क३ः खानो वरुन स मूखिना निरुवय किनि ॥
उदना जगता दवा नागरुधने ययय मवान गतवाति गमवा जने पुदवा दवा दवा तस्य यय गतवाति क
दतवा वा जकतवा दवा दवा वति स्थिति ॥ कता दं रुद रुग वरु स उधना मः सना पुगि ४ साद्विमुखा विं स

कसत्रमुत्रानां सत्त्वानामथाया विजंजु म्दो मयवत्रकी नवउि यमत्रुकाययना सत्तावमंसवर्षु उरुमा र्कमसु उडना
 ऊष्टयू ॥ अदित्यवस्तुनमाध्यायुमिनययु उडुवक करवयु । नयनिवडाय यस्तुवययनियदिय । अताग
 कथनलककलाकाटितियुमसकसदसातद्विद्यादिनिवा । मानयका निसुखान्यनूरवय । नध्ममसमवधनः
 उकाथरुवयुननामकथनामूलनि । मंसाका विमहिम सुधनना । सधत्रनेककिथी रगाति यमजाकरः स्वाः
 निवा ल्यकन । समुच्चिनातिरेवयुगिनि ॥ ॥ सुवर्षु उरुमा र्कमसु उडना उरुययनिवक नाम द्वादस
 ॥ ॥ नमस्तु रगवलीनसकसमय नसागतवेयु र्थः वनेकगिति उवर्षुकावनावराससिय रुथागु

३८

सारुं क ॥ संगाकावद्धस्या । नमस्तु सानक उरुकाटितियुगयकसदमुसमंतं कर्णत्रानमा । आका मत्र सुधागकसाय
 धम्मात्काकनकि ॥ नमस्तु स्या यातिमिगयुगोधम्या । ममंनोसमानायासगिया मदा दयाः नमस्तु स्या नयति । गेमि ।
 उरुयुका समुदिगाया । सजसु स्या । कनसुवनयना । कातरानकनसमयन ॥ नाजवत्रदकडा यरुमाना विनक उजाविन
 लियिक सावताय यमिदिह मोगववावग । अक्रियु उदवदसमयः नामत्रा उ आला यमया मर्वमा विता रि । वक
 नवनाय यमिदिह न । यिउजा ऊवत्रदकडा । सका गा इट्टिदिम । कनमया दवदसमयन जा उ अरुका गिंसागे
 वय सुरुपा विना उलंका त्रिकं वेरुव ॥ नातिजा ना माहं मन् ॥ यकविरे उरुयुमान मा उ नायिकसा विदवस

स्थितायुषा किरुमनुचदविदुसमयनामनाउसासु। अथस्वनुकुलदवगनाजावसुदक। गनकननननसम
 यनयुससाहानुविनकनासिमासालिगाथादिदवउसमयनामनाउसासुविकृतमसंयुकासयवि। नाउ
 सासुयेवजमिसवसतदिगंकनं। सवसंसयदुगहंसवरेरुकननासतं। दृष्टविकोरुविकारुसवनेयगय
 । थिश्चिकसवदिविउसमयंगृपधेयजरीरुगा। वउयोकातगिजिउमिदावजनांसमागमे। उरुिगासा
 कयात्रदि। उरुदयतिरुदया॥ तनीसजउनुवदुउवगानांतमाधरा। सुगतंसंसयानांवद्वियास्माकमंसय
 ॥ कथंमनुस्यसंरुत्तानाजादवा। संयायगायादिरुमानया। लोकजायकवरुववृय। कथंदवमनुथयताउत्त

३२

गरुकिथियाकि॥ एवंदिहाकयाहदिवदुयतिरुदया। सवसंसजउनुवकासाकयात्रानिदाववाग॥ यदिदुसा
 कयात्रारिजगदिममवृष्टि॥ सवसत्तादिगाथायवधदंमउमुकमं। नातानांसंरुवंवयंयः॥ कादंसनजा
 गात्रय॥ दउतायननाजानारुवांकि। विषययुवा। दवदानामधिष्टानमाउ। कउयवअकि॥ पूर्वमधिष्टिगादवे। मथा
 गग। पुवयम॥ किंवायिमानुयताकजायकमुयकटय। अयिवेदवसंरुगादवयुग। सुउवागउयमि। एदवनाउदे
 रा। गमदरुमियसादि। युउतंसददेवानांमिगामनुअधन। अद्वमगमनाथायइरु। नानामिवात्र। माजाएगावनुयदि
 सुगनोकम्मकाविष्ठाविद्याकदुजं। दमिवदवराका। विष्टि॥ स। कुरुइरुतानाकरकम्पानांकटदुधम्मिक। विद्याउ

ॐ

का अनाममनस्य दवारुवं नित्यं न युवा यदङ्गयज कनाजारसु गं विखयसि र्मा कसर्वं दवना जायय क्तिवद
मात्रं अङ्गमिका दयना जा दधम उउमा सो न विन न द्ययं ना जा दवली कारु विद्या निः दवना नां यज्ञिका या द्विया
सा विन म्ना नि गस्तु चा सा धर्म टर्म सा विन यय गुरु विद्या नि सा धनां कनना नां वरा ना अना च समुत्तं यु क्थ
नि वद वउ उयुं नि वद वना य नुय क वगु दा सं वय अ क नि द्दि गि ॥ ८ ॥ द्विधा ग सं या का नि म ज रा वा थ उ
नन वा यियं रा या विद्या अ वा पी ड ना इ दि ना थ वा ॥ उ का मा ना रा वि द्य नि ॥ ९ ॥ गि उ र्य सु रथे व वा य त व फ रु यां वा पि
इ रि उं व द्ध क रु सं यि या मा या पी य ना ॥ १० ॥ यि य नु ग ज क व वा स र रा री उं यि य स्वा सं क ना रा यो वि धि ने य त न्य तं ह

निष्पत्तिः कृतं रागधनानिद्यादय्यदय्यदनिष्पत्तिः ॥ गुरुनवयतस्यज्ञं विवादाः कमदाशाजगुरुवनिविषययवा ॥ य
 दाष्टाविनाहवाधिरुवंनिदानुगाअमिकारुविष्पत्तिदडिगीयासुचुनं ॥ अमाया ४ यद्विषयद(वैव)रुयासा
 यधमिका ॥ अमिकरुनयुजारुविष्पत्तिरुदग ॥ अमिकानाकसत्तानाति ॥ यद्वारुवंति कुवं ॥ अमिकरु
 नसमानं अमिको नावविद ॥ गयसुपुयगुनऊः ऊनवायव ॥ यथासावविनसाकि ॥ अमिकेजनापदा
 सद्धर्मसनाऊसत्ताऊः यथिवीतसा ॥ अमराजनसमानः सयऊनविमानगा ॥ यसुसुविष्पत्तिरिडिउम
 सीनमज्ञोदससस्यजसोऊअनरुवंतिनदकज्ञा ॥ याननवदृता ॥ सत्तारुवनिविषययववनमध्वानिमदानिव

११

निष्पत्तिविनिषययिदि ॥ यत्रीकावरुविष्पत्तिः निकुण्डकणवव ॥ यद्धर्मनिरावाति ॥ कीमदासाजगितिमसातसा
 रुविष्पत्ति ॥ आयासमगवाकृज ॥ समानांदरुतानाकसिग्यरावनेसंऊ ॥ नगथापीनयिष्पत्ति ॥ सत्रिसडियध
 कवा ॥ इवयुसत्तारुविष्पत्ति ॥ स्वत्यसुमा ॥ सइवजा ॥ वदरुऊनरुका ॥ किनासादायकिगवतववीयसुमकनव
 रुकिगदेकज्ञा ॥ दानवीयातिसत्तानिरुवंतिविषययव ॥ सत्तारुविष्पत्ति ॥ सागुरुनानायाविषयिडीगा ॥ यदा
 रुविष्पत्ति ॥ नऊगानानाताऊसरुवा ॥ अमिकारुवडाजा ॥ अमिपुऊसंस्तिगारेधाऊकविनूथनिसर्वमेताः
 कमउजं ॥ अतकलीदयदाधारुवनिविषययववायदापऊ ॥ स्तिनाजाभाइसुता ॥ समुपऊऊ ॥ यतकयथनाजा

वेदवर्देति न धिस्ति नो केदारु कवि नृधामिः सर्वं न जायते म उतां अ न कदी दया दाया रवं नि विषय वा यदा यज
 स्ति नो नाजा ॥ इस्ते नं । समुपकु गायन कार्य सत्रा जा वेद उरि न स्ति न । न क क नालि ना ज तं इस्ते नं समुपकु गाय
 क नो ना यय द न सत्रा जय ॥ इस्ते न न ग द नि । युगु नि य न त क य व । य य द व र व न अ य य नि इस्ते न न य द क
 उ न ना जा इस्ते नं विस्व य स्ति न ॥ यि रू आ द व ज्ञा ज्ञा तां र व न सा था ना यि रू ॥ न क र व नि य क तं न ना ज तं र व न
 य द यि रू ज न का यि अ थो ज यि स द त न । न क मी द रू ना ज्ञा द व द म नू ज्ञा ज य ज र स्ते न न वं ग स म धा य य ना
 नां य व रू क ॥ द द य मि क स त्वा नां । विद्या कं ज न का नृ य ॥ स द क र स्ते न ना च क म्म ना यो य थि य विद्या क र
 न द ज मी थि क क नो ना जा दिया च ग । आ धि द्दि ज द व ग मो द ॥ ॥ व द न नू मा दि ना ज्ञा न ना विं नं नो हं । य थ य

१२

नाथाय प्रमोथ विस्वया स वा द न नाथाय ना न दू य क पा य ज न स वा स्ते ज च जी वि नं ना हं । ध म्मा थि विस्व य स वा
 । मा वा ध म्मा थि ह्री ता ज्ञा न नं समुपकु ग । न चान्य मा इ अ ना वि म य मि स दानु ना य थि अ थि । समुप न अ थि का
 ग न नि य द । रू य र वं नि अ थि नि वि य मि स दानु ना । वि नू य क च ग दा हं । ग जे नि व म दा स त । य क यो नि । द व ज्ञा
 वि नू य क स त्वा न य ॥ विस्व ना । स व रू वा र वं नि वि म य स दा दि । न स्मा दा य न सं स्या न क रू या दि म यो य का नि नं । ध
 म्म स मा ज य दा हं । मा वा ध म्मा स मा व र ग ज्ञा वि न क य नी य क्म मा यो य य नि क र व न । व दू ज ना य त ज न । स व ना दू
 ज न दू वा । उ क उ क र व द ज्ञा मा य उ प ति ना र व न । नै स क मा य ज य ग य स मा धा मि कानु पु । क य य थि नि ॥ द व
 दारु यो नि स र न दू वा । ज व दि य ग थि स मा कं य ग ध म्मा स कं । ध म्मा ग यि स ग ता हं ना ज्ञा न । सु उ रु वि नाः पु स ना रू ॥

१३

[illegible]

नवास्त्रियं मनायः युवकमहं नवार्कमासाग। न धर्मकार्यं यज्ञिगायमाथवीयं जिनिगं रूकंः मनेककल्यां। य
थायर्थकज्ञाय अत्रिलियेयुततसिखिसामगुगामनयनिवृत्तमाः सुगतस्यनस्य ॥ स संरुवातावरुवनाजोस
नकुवरीवृदियेवृत्तासमुदयेयकमद्रायुगामाग ॥ जिनेदुधायेयवनाजधानीयः स फावरुवदगताम
कजनास्वधामनवृद्धतावरुवनाजधानीयः स फावरुवदगताम
यगमिमसुगनाजं। स धादिवृद्धववृत्ताज। योमिस्त्वं सवृत्तमस्य। अत्रिलियेयुततसिखिसामगुगामनयनिवृत्तमाः
वउयसंकासिगावकसंयमयां। कनागियेजं जिनेसावकासां तलावययुक्ते धर्मज्ञानक। कोवासि

रिङ्गतिरुवायसद्यत्तावयानामउत्तान्त्रिकाचननागस्रजत्तावयोरिहिरिङ्गननउत्तागतसन्तिवध
 ।विविक्तंनलंमसुताजं।स्वाध्यायमानःसखसंतिवउ॥द॥मिनाजस्रजदत्तस्रजनत्तावयोरि
 रुसधमोरानक॥अननउत्तागंनसंतिवधुगंननक्रौसियाजाजं॥१॥स्वाध्यायत्तावयधधमः
 लोनकाधमतिगंरिनजिनसा॥गात्रजं।सवधंयेलासाहेमवतसर्ग।सुउत्ताजंमगुंयकासया
 गो॥वदितयोदीनगमावयस्यसदंरुवीनाजः॥पुंवेवीलि।दयदिमपुंमंअवका।सवध
 येलासाहेमसुउत्तावय॥अधिवसयिसनगनावयधनादधगस्यवसुसंरुवस्या।सवउत्ताह

१०४

सिकताकधकोयद्विगासाविवरुत्तवका।वसधायदययनमविमिष्टवत्तादकगधउत्तामृसिका।
 ।यष्टावकीशोधतलीसस्तुत्ताःगणसतयायगदतजउ॥समजंकाकंताजःगदासनवाद्युगंवेकंयउस
 रुसनेकनानाविविक्तंनलंययवउ॥अस्यातिनवाजगदासनंनवदवायनामीधसंकीवनावःयउउमह
 अथनागदाजवेदयववेतस्यावकीतागेगदासनंवाअविनियानियुगसगसदमुकाटियायआगत
 दवरवागकामाअरिक्तमितंनगनावयदि।अस्याकिनयानिवसावयुष्टेःगात्राधिनत्तावयधधमसा
 नका।सुजाकग॥३॥विवरुत्तावताउयसंकामितगदासनंनदिकुर्गाउ॥जिरुत्तानमस्यगवा।दवे

यथाहिनामं कृतकान्कदसतं न गिक न दवसदुकाटिनी। नवान्तं नवगिसदसकाटिकत्यातखवतिथ। वपावलि। अ
 नकणपमसदुकांयकादुताउतमयानुरग। अविनिययाकत्यवरवसका। कथेवक्रदुपमानमानसा। आनागिमा
 मदसवातायुमयायमांउमानेनकदाविविधये॥ कथापुमानं वदुपुनस्तद्व्यमयउवातूमादिनेचयथाहि।
 यायनोमिवाधिका। सधम्मकायंथमयादित्तद्वमिनि॥ ॥ सवेष्टुतासारुमसुउताउमसंखववेतिवली
 नामवउदस॥ यः॥ ॥ अचिन्तामदादवितनसाध्वकनयकावाकनरहिकावाअगिनानागनयकस्यनातांरग
 वनां। अविनियोगदगीवियुताविस्तीर्ण। सवायनले। यजांकउमा। स्यागाअगिनानागनयकस्यनाः वद्वानोरगवती

१३

गंलीन। आवतंयतिहाउकामारवका। कनावयं कउयद। अविहानवाः अत्रयपुद। यवायथायं। सुवर्षयुताधगम। अ
 कउजाज। उकासकि॥ नाविक्रियेविकनावितदित। अउनायां। सुवर्षयुतासारुमः सुउउजाज। अतवा। अथखनूरुगवां
 निममवाधं। सुयसा। माउयासंयनिययमानसुसां वजायां मिमाअथाअलाखन। यहुहुसववृद्धीनां। दूजाकउमवि।
 उिया। रंलीनं सववृद्धीनां। आवनंउजानिउं। सवजेवायसकमविहानं जयनं कथायावदमियकमर्गस्वर्षयुतासारुम
 मिर्द। अविनियमिदं सउं मतं उउमसाउनं॥ मावकं सर्वसहानां मतद्वः ३॥ स्वसाउतागु। अदिसुस्ययथा मि। अ
 धम्मनिधनं कथा। अगिरीरितसुउं मदमानमानवियगानगं। उनसाधिवनधतयां सोनेगत। नवावतगतसुस्यवि।

विदुषा यमाहो । प्रमत्त उच्यते न प्रवृत्तं न उच्यते । यद्यपि मातृक मूलं गतिं तं उच्यते । किं त्वय मय्यस्मि
 यथा ह्यवतिष्ठति ॥ ८० ॥ संकासकं । मना इति स्वप्नमव ॥ यावत्किंचित्काद्यवे अस्मिन्निति विदुषा यमाहो ।
 यद्यपि मया निश्चयं नृणां यदा स गवती जातो यावत्संयत्नीयता यद्यपि विचित्रं मे हं यत्तु यत्तु मया जिह्वं ॥ आज
 नद्या जनेन यत्तु यत्तु मया निश्चयं नृणां यदा स गवती जातो यावत्संयत्नीयता यद्यपि विचित्रं मे हं यत्तु यत्तु मया जिह्वं ॥ आज
 यमश्च मया यानि सर्व ॥ स्वप्न जन्म मरणं नृणां यदा स गवती जातो यावत्संयत्नीयता यद्यपि विचित्रं मे हं यत्तु यत्तु मया जिह्वं ॥ आज
 नाहं यमा सन्तु गवती यमा सन्ति नृणां । दशना गवती ॥ यदा स गवती जातो यावत्संयत्नीयता यद्यपि विचित्रं मे हं यत्तु यत्तु मया जिह्वं ॥ आज

यमश्च ॥ निश्चिंतं वाचयन्नेव कथं वयं यत्तु यमा अत्र गिर्ये ममादवा अत्र दयय कारवत् ॥ दयय कथा निहायीति ॥
 सन गवती निश्चिंतं यमा सन कन्यय च कदा विरुद्ध दयय ॥ कदा विरुद्ध नृणां वया धिसत्त्व कदा येन । सग उच्यते नृणां यमा
 चित्समरुगीय मया । कविस्मृतं यत्तु यानि दयय नृणां यमा सन । कविस्मृतं यत्तु यमा सन । कविस्मृतं यत्तु यमा सन ।
 यत्तु यमा सन यत्तु यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन ।
 दं सर्वय ममायु नृणां यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन । सग उच्यते नृणां यमा सन ।
 दविजि कसं यमा । सियाव स यमा दगि । वदन्ता नि दयय ॥ जाकया सा स्मृते वया । वदन्ता नि दयय ॥ सग उच्यते नृणां यमा सन ।

राअनवचकानाएउ।सागनचगधेववाकिन्नदासजअधिगनुउदावगधेववा।गनाचयमूकंरुतासदादवगा
 निचादेवगानिचयजयगि।धम्मदेरुयमयिचिये।पुहविगारुविचयिदिहसमत्ता।सलोतवा।मय्यवविचयिचि।
 गि।दवदासमचउरुमाःदवगासमविचयिचयतसतं।एनायथधमवानिजउसायीयूचसंविर्ग।उरुचिक्का।
 सनमूननअगगासुननारु।यहुमंसुगंरुलिहंसवनाथंमिहागुगा।अविनिययअदनधम्मसुधमलोतवा
 एककानेतिक्काजाकएगसवदिहंकना।एगगंरीचधम्मोनांसद्धम्मिनसहाजिना।धम्मअउयवथनयःएगउ
 विसगिवा॥अष्टगूचिहुमंसुगंयवान्यांअवयेनिचावद्धा।सुहउासितकिरुयव्वजिगाः॥एगनकसुतम्

१८

जनहुमंसुगंयधमिकसवदवजाजिंदाःसनस्यतिकधेववा।धेववेसवनएवगथाःवाउमहाधियाः॥यउमत
 सहमति।दिमरिदंमहावने।गणंरुजाकतिथिचि॥दिवातागावगडिगा।महावनेवमउदेनातोयतमरुवने॥
 हाविंसगिवायनासंजयपुमूखानिवा।यउमतमरुआतिनिदिमदिमहावने॥गयानउकविचयिचिःसवगोसयेते
 धववजयागियधुः॥यंवरयउगुनयि।सर्वरिवाधिसवति।गयानउकविचयिचि।मानिरउययउउ।यउरे
 उगेठववा।करिजावनकधेवमहावनेःएककधयउउ।यवयउसनेःव॥गयानउकविचयिचि।यउरेःसउ
 मिदअगंविमसनधगधवाजिनतजजिनयत॥मक।धनिकठयवमाधियुकिहववामहागोसामहाकाल॥

। स्तुतं कस्मिन् (धेवव ॥ याचिः कायुगजया द्रवमहाकागस्सु (धेवव । यतिनातिव्रमया जवमकनावातिववव । सुवि
 जाम । सय्यमिना जवकससु (धेववामहायसाजीनकनकाम (अम्बुन ॥ नागयनादेमवग । सागमिति सु (धेवव । स
 वीतिविमनयमहावजयुजाकुमा । कर्मांजकुं कतिथि । यथांमगमिदंयिया । अनवकयदिनायदा । सागजायिग (धे
 वव ॥ सतिदेनयुगीवे उरानडावनदको । नागसगसदुसिति विमरिमदावने । कर्मांजकुं कतिथि । सर्वकार्ये
 नवागावनीनाहनमृषिवावमविरुधसवन । पुद्गादा । खतसकंधश्च । कथाचवासतादिवा । कर्मांजकुं कतिथि
 । सय्यमरुतिगातिवावअचं अतिकावेवयजनीवउं काकथो । दन्तिवकयदकीवसर्वसत्ताहितिनि । एगमतिदि ।

गे

मज्जिमहावजयजाकमाः कर्मांजकुं कतिथि समुत्तवउदिय ॥ सवस्वगीयुगुखादवगावजविनिन्यागधायीप
 मखाववंगवानीदवगानिवा । धायेवीदवगविवरुतगसाधिदवगा । आतामदुवेर्यानिवासिन्धानदीदवगा
 गमवदवगासवीस्यदयितवगसाः कर्मांजकुं कतिथि । यथांमगमिदंयिया । याजयनिवगसत्तानायवर्हवरा
 नवा । पीयूनागजजक्रातिगतिन्याजंकमा निवा । एदनजुगयीजश्चसवीस्समयजिव । अजश्रीयायः ३ स्वयसायि
 सवीस्सववनसायातादयनिमदीकजा । सर्वजुम्बुदोयसिंतागकना । अविनियां पुद्गवतसाहगा । यमनिदुख
 संकमन ॥ जादयनि विविगानिसवानियदनिम्व । यद्रकमदीयजानिवपुउतिकासु (धेवव । ध्माउजातिनी

मूर्त्तिरुदयगगनं उरुं ॥ ॥ गमात्रजाविनिमूर्त्तिदि। असागिपुलास्वना। उर्यसिदसुकीनलेरसिजातनसु।
 रागंतिमलावरासनदोषित। अदियिष्टि। उरुदोसुवर्माविमानासुसेलेरिना। उर्यरेवेवपुमावहुं सगसग
 यिगा॥ उरुदयगिजमुदियससुउसपुंरुषिगा। अनंनमिजातनकोलासगांसमनकासदवाधिरुमाउनः तसिजा
 जातपुवादना। नानायाधिनीसंवनाकेमनावाधियिष्टि॥ सर्वरुजमुदीयसिनानागसादतावधीयतिद्यावयनि
 संमयागययन। उर्यविथयनावराथनालुंदनतां। समवदतिनऊगावागवखग। शिववा। सारिउंवेरुन
 सवर्जमुदियसगन॥ विथयनवगदाहयगसुगंमिदंरुवग॥ ॥ सवर्जपुलासार्कम४सुउजोऊयऊ

८०

सयानामातऊयानिवर्त्तनागायंवरुदस॥ ॥ उवंमूर्त्तिवाधिसतसमवयाकानदवना। रुगवर्चमउदवावरा॥ क
 नरुगवर्चरुउताकनकनकात्र। अनकीद। एतारुफवीर्यनकगतमूननयस्यरुमत्वारुपुविरुतादवनातिः कोतनी
 ननरुजाजाउमस्वानि। दसदवयगसुसुआनि। उगादिकयसिगदवरावनायागानि। रुगवनामिकधम्मगवनाया
 पुमंकासकि। उरुगांरुयानांसयनुवातां। वाधिसतवाकनंरुतावाधोविरुमयादयनि। यथायंनुविनकउः सपुसु
 वा। नामस्यधनिगयनासमगिः कुरुषुनकधुमंस्वाययेकेकाटिनियगगसदसुधगिकारुमः सवर्जपुलासिगाया
 नाकवाको। अनूकनायांसमाकांवाधिसति संकोत्पु। सवर्जपुलाकनसुउकनानामसभापता। दिसमाकेवुधो

ज्ञात उच्यते । विद्यावनसम्यन । संगता ज्ञात विदुः । यत्र यदमत्र धि । सा सा दवाना च मनूयाना च । वृक्षारु
 गवाना ॥ यावत् सारुगवंतः । सवनना कत सुत कत सा गथा गगसा रुत । संमा संवृद्ध सा पुनि विरुतः । सधम्मा दिगम
 वन सव सव आ सव र सा अमन सा गदि क सा यं नृप क उमा मदान का । ग सा गधी गगसा न स (धो) गते व विज उ च ज ता वा
 आनीः स व र्ज उ म्भु उ का ना व । ना ला ना म ग था ग का । रुं स म्भु र्ज वृद्ध ता क उ च्य त्सा ग । या व रु स्या । स व र्ज उ का वः
 का व ना ना म सा ग था ग ग सा द ना म सा व वृद्ध सा य ति नि र रु स्या स व न स व स व र्ज क थी रु व रु अ सा म न सा ग दि ग था
 य नृ प य रु ता ना क । ग था ग था ग ग सा न स (धो) रु ने व न उ च्य ज्ञा क था गो । रु रु ना स मा र्कं वा धि मी दि सं रा त्सा ।

ग ॥ सव र्ज उ म्भु उ का ना व । ना ला ना म ग था ग का । रुं स म्भु र्ज वृद्ध ता क उ च्य त्सा ग विद्यावनसम्यन । संगता ज्ञात
 विदुः । यत्र यदमत्र धि । सा सा दवाना च मनूयाना च । वृक्षारु गवाना न क सव र्ज उ क दि रु ग व रु ता न रु ता याः
 संमा र्कं वा (धो) वा रु नाः ॥ न वे र्ज उ च्य रु ग वं ज त ना न रु क जी वा उ म्भु र्ज द सा ना द व य र स रु सा ना । या व
 दि रु रु वा धि स व र्ज य अ रु व ना । स व र्ज य न मि ना । स व र्ज य ति ग व ना र्क ग य र्ज अ रु व ना । न य न व रु (सा
 रु मा गं यि य रु रु या र दि ग ता । य ति रु क य व ना न रु रु ग । व ना धा न दि न स व र्ज मि नि रु क व रु व रु यी सं ।
 र्ज मि ना य वा रु ज ग न रु । म न क ग न रु नि य ति रु क य व ना न रु रु ॥ ना ना न या न व रु या न य सा स न रु ग व

नविमानानामयुक्तिसीमुपयतिरुक्तियुक्तानामादस्ति। अथवादासिदासि। यतिरुक्तियुक्ता
 नहोऽयम्॥ यथागतानेकानिवाधिसंज्ञकाटितियुक्तगमसद्वृत्ति। यद्यसंख्याय। कत्यकाटितियुक्तगमसद्वृत्ति
 तकागतानसंख्यायकथागमकाटितियुक्त। सगमसद्वृत्तिमंतकावित्या। तानाजुविद्विने। यजागमसद्वृत्तिः सखायक
 तनियुक्ताकनियुक्ति। सखर्वधुय्यागतिरुक्तियुक्ति। कत्रवन्ननयनारुमागंयिययुक्ताकनियुक्तिरुक्तिगायति
 र्वागानेकतियुक्ति। धनवाच्यदितयसवन्नमतिमुक्तवजवेत्तुंखेसितायवर्कदत्तजकजागत्रयासि वसित
 अतिरुक्तियुक्ति। अत्रयानवसस्यनासनातवस्माययनासनातवने। विमानानामाद्यानयुक्तिसी। हस्ति

५२

मस
 मवाधववादासिदासयजिग्यागतिरुक्तियुक्ति॥ अनुपूर्वगवत्यातमिना। यतिरुक्तियुक्ति। अनुपूर्वसखद्यातमि
 ना। यतिरुक्तियुक्ति। अनेकानिसखगमसद्वृत्ति। अनुरुविद्युक्ति॥ यावद्वर्द्धारुगस्यः गथोगेगानामधार्थ। वाक्यंयु।
 किज्याक॥ ककधुतदुरुगवन्नदुनाकनकात। कोदयनारुक्तसममन्ननवगतिः कन्ननाउतजजात्राजुयमुखा।
 दि। दसकथादवयुगसद्वृत्ति। दसकथावकाजिकधम्मसवनायापसंकमिसीकि। गान्यगदिरुगवज्जानरुक्तायासंमय
 वी। वीवाक्यकानि। यइनानागमधनि। अनेकसंख्यायकत्यकाटितियुक्तगमसद्वृत्ति। ककधुगमेवअसिउवजा
 गवत्यांजाकधोनी। ककज्ज। अनेकनामधयनान्। यवनानरुक्तासंमयवाधिसरिसकासां॥ यूसन्नवदनात्यातग
 धकदानानादसदिह। दसवर्द्धसद्वृत्ति। जौउत्यसकः विद्यावतसंयुक्ता॥ सयगासाकविगमेदन्नरुक्ता। यूनवदमसा

तथाय । अस्मान्नादवा नाच मनुष्याना च वृद्धा र गवतः ॥ एवं मूर्कै र गवां स्ता वाधिस त्व समुवयां कृत दवना मरुदवा व न
 ॥ अस्मिन्नादव मरुदु न सिंहा का ज नं अस्मिन्नादव मरुदु नं य मरुदु न त्वा इयु विरुत्वा दवना नि द्वा मना रुत रुं जा ना ऊ
 पु मूखा नि द स द व य उ मरुदु ना नि । अर्ना दे ये मे रि मरु ग ना नि द धर्म स व ना या य सं क रि ॥ अरु म्नां गु या नां स य या नां ६३
 उ वा धि वा क र्णं गु हा मरु सु व व न कृत द व न अ म्ना स व र्ण पु र म्ना रू म म्ना । मरु द वा ज म्ना नि क वि नि का न यी नि पु मा द य
 नि त या र वं नी । गा व वि न व र्ण य स द (स न य नि उ र्ध्व वि रू त । सम त्वा ग गा र वं नि ॥ वि म त वि दू त वि सी डी गु म त क
 ज म द गु न गु रि न व वि रू पु मा द न स म्ना ग गा र वं नि । अ य नि मि न व दू त स र्वा य ति ट्ठी ना व र व नि ॥ ना व च्छे

६३

त्वा द व क कृत ना न्म न क जा ना ज । पु मू खा नि द स द व य उ मरुदु ना नि । मरु स व (स ना सा । मरु द वा ज म्ना नि क वि नि का त य ।
 मा द । पु नि त या र वं नि ॥ ना व द्वि म ज व र्ण य स द थ न । पु नि उ र्ध्व वि रू त स म ना य गा र वं नि । या व द्वा क त न म नू पा क
 । अ ना क कृत द व क धर्म स व द क स म म्ना ज य व य ना यि । य र्ध य सि धा न व थ न ना नि द्वा न ना न्म न क जा ना ज । पु मू खा नि
 द स द व य उ मरुदु ना नि स यै ग र न रू ना यो सं म कं वा यो वा नि ना नि । के के मा नि व कृत द व क य र्ध य नि धा ना नी नि ॥
 स व र्ण पु र म्ना रू म म्ना मरु द वा ज म्ना नि क वि नि का त य ॥ ॥ मः स्वा द म्ना ॥ ॥ कृत द व क (व न्म
 स र्वा य क र्ण वि दू त न वि श त सु म मा य । ॥ य दा रि रु त क रं न क न स म य न व त सि । वि ना स क ध्वा ग ना (र्ध न स म्ना वं

ब्रह्मसिद्धि उच्यते विद्यावतनसमात्रासुगतासादिदत्तकृताय नृपदमासातथिआस्मादवाताय । सनथा नावव
 क्षारुमवा । ननखनृपूतः कृतदवककासनसमयनगम्यरगवको जतसिद्धिजसुआगगसादंका । संमाकावेद्धसायति
 तिरुगमासद्धिमयनिनृपकवरुमानसप्रवेत्तपुलातामवाजावरुवधामिकाधर्मनार्जयात्रयमातनावाय्यव
 माकाष्टरुकरा । सर्वविद्यवातिनां सत्त्वानां । ननखनृपूतः कृतदवककासन । ननसमयनगसाजाडाः ७३ प्रथमपु
 साज्जिधेयानामथहीवरुववेद्याविदिनाकायिनेमध्यारुकासजः आष्टाभा ॥ यूर्यअसुधसमन्वागवावरुव
 । ननखनृपूतः कृतदवदंरुकासनसमयनगसाज्जिधेयनसा । अष्टिनाजतवाकमोनायायहीपुण्ड्रनाव

६४

न

वारिनुयादिकादसनाया ॥ यत्रमयाउरुवश्येकसकया । समन्वागगनानाअसुकसजः सर्वशगर्गिगताजिधिसखा
 गननोकेयन ॥ सर्वसिन्धावरुवकनखनृपूतः कृतदवककासनसमयनगसाजाडाः ७३ प्रथमपु
 तिसत्त्वशगसदसानिनानाशागष्टान्यरवेना । नानावाधिरिज्यातिगानि ३ः स्वागीवाखनांकटकाममनायांदुनी
 वदनावदनि । ननखनृपूतः कृतदवककासन । ननसमयनगसाज्जवादनसाथिद्विपुस्यनि ॥ नयांमनेकीयासत्त्व
 पुदमेपुदमाना । नानागष्टाना । नानावाधिरिज्यातिगानां सत्त्वानामर्थयसजमकात्रिं । विरुमुपुनवरुव । १॥
 नानेनकातिसत्त्वशगसदसानिनानाशागष्टानिनानावाधिरिज्यातिगानि । १ तदि ३ः स्वागीवाखनांकटकामम
 याः वदनावदयानि । अयं वसमयागज्जिधेयः ७३ प्रथमपुस्यनि ॥ यत्रमयाउरुवकसजाडाः ७३ प्रथमपुस्यनि ॥

न्यागनावृद्धीजीधूमिस्तका। ध्वगनावृथानुदायाजीधूमिस्तकावृथसवयमानकाया। यद्विमानन्याः यथयुगसर्वगामनग
 नतिगमंहेमोजध्वनाम। यमंजमरिष्य। एतान्नकाविस्तवसकसदेमासिः नानाजायदृष्टानिः नानावाधिर्यः यजिमा।
 वयिउं। यनृममदमिममवयिनर्जजन्निध्वनृयसंकनित्वा। वाधिकासंयजिदृष्टयं। जनध्वनृकोमननयजिदृष्टना
 रं। सवृणामनगलनिगमजनयदनाह। जाजध्वनृयसंकनित्वा। ननखनृकनयदनाह। समयनजजनाह
 नः॥ एहिपुणायनस्वयीमाजटिध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा।
 जियगाउता। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा।
 स्म॥ गानिदिनिजजुयेजिवरुकिध्वनृयसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा। एकानकसंकनित्वा।

ॐ

॥ यनाकनमतीनसायायानिनायदनाह॥ कथंविक्तिमाकरुवावागायिका। यिके। आधिकरधमनियानसगुत्यनीकथंवाधि
 यगुय। किंकाजकयउवाग। यिके। कयगकदा। किंकाजकयक। आयायनवीयानिमानव। अथखनृजाटिध्वनृः। एहिउ।
 नवाहनसा। एहिपुणायनस्वयीमाजटिध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा।
 एवमरुयवकिष्मिकसुथा॥ उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा।
 वेगाध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा।
 विगातिवाधिरुवगजिगीसां। कउवध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा। उध्वनृयसंकनित्वा।
 मरुजनमीवव॥ वागधिकाजा। यरुवनिवमविरुकाय। सजदियसत्रदमलुकातगधमनिपाने। कलाधिकानाधर।

एवमिति शीघ्रातिशयश्च न वसा मुनसाधवयसत्रसतिथं सधुतं वगार्ता। सधुतास्त्रिचवदमगकासत्रअष्टकटकातित्रग
 यमकाजाकदाधिकाकथकिरुकेमाउयिगाधिकः कथकिजीधेमातं। वागाधिकः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः
 काय। सधुतसंकुवंतिनामकसाः वितवतं यिनविवर्धनं वर॥ तिउ। लायवचं केवेथमतिपातं। यममवरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः
 नज॥ वागाकथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः कथकिजीधेमाउरुः
 ति॥ अथखजजतवाहन। एषाप्रुगकिनेवजयननेमिलेकनकाउंकासजयतिदहनसवाष्टागायवदमधिगका
 हुरुता। ननखनयनकतदवगकाजननसमयनजनवाहन। एषिपुदयाइ। मत्रयजपुस्यविधेसवैशामनग
 ननिगमजनयदनाइः जाउअनीयूपसंकमिवा। सधुतांमनकवासवसरुजाः नात्रागागः ४६६०॥ नातावाधियुः

६७

त्रिविधिजानामवमात्रमयामासा। मारेष्टवेद्यास्त्रिवेद्यास्यानिजात्मानंयुक्तिज्ञागवान। अदंययाकंः नानावाधि।
 त्यायनिमात्रयिद्यामि॥ सदसवलेनकतदवगसाः उतवाहन। एषिपुगसां लुचं ववनेवाधिरुनमानस्य। स
 वासितान्यनकासत्वकाटिनियकथगसकसासिमहायुदयजागतिवरुव॥ अस्यात्रासवायाकातिअत्रिखन
 यीकि। सोमनमानममचागागतिरुव। गतिरुनकाजननसमयननया। युदययनकातिमत्वकाटिनियकग
 तसदसायि। नानाजागयअतिनानावाधियनिविडिगानिनानाजागय॥ यनिमात्रिनाअजागतिवरुवविगग
 वाधिनितवयथायोला। ननसमववत्रविधिः समवागकावरुव। ननखनयन। कतदवगकाजननसमयन

[illegible]

कोऽन्निभयनिवात्रयिभ्यदातानिब्रह्मदन्तिस्म ॥ यन्मनिवक्रवन्ति ॥ अत्रवादनः ॥ अष्टिदात्रकाः मदात्रयद
 नानिभ्यः सखानायाधिविचिकीसकानियः दन्त्यस्यसवाधिसहतरविकवाः ॥ सर्वताक्ष्याः यष्टिसजिगका
 रुक ॥ नसाखनुयून ॥ अत्रवादनसा ॥ अष्टिदात्रकसात्रोऽम्भुगलानामराथीरुत ॥ तस्याखनुयूनः कतदवगजा
 ताम्भुगलाया ॥ द्योदानकायुजावकुवतां ॥ एकाजनाम्भुगलानामद्विनिद्याजत्रगंरानाम ॥ अथखनुयून ॥ कतदवग
 जनवादनः ॥ अष्टिगलायां दन्तकात्यां सार्द्धमनुयूनस्यमनगजनिः गमजनयदनाष्टं ॥ ताम्भुगलानामनुयून
 ॥ अथखनुयूनकतदवग ॥ इत्यतस्तकात्रसमयतः ससमयतजत्रवादनः ॥ अष्टिदका ॥ न्यगजमगुविकाकोत्रयाका
 ध्वनिददसा ॥ गोत्रजमां सतज्जटकष्ट ॥ अतकाकायजिजातादिमंभावन्ति ॥ यज्जटकीकात्रज्जटिदिमंरवायुवन्ति ॥

॥ गदहानमो गदहग ॥ कसाधमिममासु रुकु रुकु अनाका कयुडिना ॥ ६० ॥ मांदि संधा वंनिः तस्ये गद रुव नयन ॥
 नमदं तादिशं मुय संक भये यसां दि सिः ममां सरु रुकु रुकु अनाका कयुडिना अथ यन यन ॥ कतः
 दवकः ऊत वादना ॥ अथि यदा नय वं नव कं मन नु विव ननः यगा ट वी सं रु वा कति पी ॥ अथ सं वा का ॥ गुरु मदा
 युक्ता निष्पाद स मत्ता सदा सो नियो गिव सं मि म् ॥ मरु रुकु यथ द्रुति ममा मगानि ॥ ऊत विषदि नाति गगत्या
 को नून विरु म्ता नं ॥ गगा दा डि द द का यां द व गां ति क्क म किं ॥ अथ द व गा रुत वा द नः ॥ अथि दान व क भग द वा वा
 ना ॥ साधु साधु कत यय कत ऊत वा द नाः नाम सा मां मुय उं यय द ॥ दानां कात नायां ऊत वा द न ॥ अथ यय ना य
 ॥ अथ द कं वा द य ॥ नि गतः ॥ स्वना मा नू यं क नू ॥ ऊत वा द न ॥ अथ किय ॥ नि मा नि द व क मत्तानि ॥ द व गा वा द य

६६

नियमं निद सत्ता सदा मां ॥ अथ ख नू कत द व ग ऊत वा द न ॥ अथि दान क सा सु य सा ॥ मा रु या य म का नू य ॥
 विरु म्ता नं ॥ कत ख नू य न ॥ कत द व ग स म य ना ट वी सं रु वा यां ॥ युक्ता निष्पां कि वि त्ता उ म व सि द्रु म्द क म रु ना
 ना नि द स मत्ता सदा मां नि म रु मे ख य वि द्वा नि ऊत य दि ना ति क्क म किं ॥ अथ ख नू कत द व ग ऊत वा द न ॥ अथि दान क
 व रु दि संधा व गि म्मा य सां दि सि ऊत वा द न ॥ अथि दान क व रु दि गंधा व कि म्मा द कं य य मा ना ते व वा दा द कं म्मु य नू य
 ना ॥ व रु दि संधा व गि म्मा ॥ दानां ना नि रुत म दानां वि रु स म रु गां ॥ वि रु म ति नू रु उ म्मा खा वि ता य न सा क ति पी न ना य उ
 गा मा य ग मा क यां ॥ द स तां मत्ता ठा द सां ॥ द म्मा खा ॥ म्मा क ना यां रु क वा न ॥ अथ ख नू कत द व ग ऊत वा द नः ॥

स्थायुष्मन्निष्ठा ॥ उदकागमं यथैषु कृत्वा उदकं स्थागमनं कुरु ॥ अत्रुदिसंध्यावर्तिनः उदकमुत्तमं ॥ मणीर्धनं दत्तं ॥
 बालाकं समनुगच्छति ॥ गच्छात्तत्र यत्तदुदकं दत्तं अत्रुदिसंध्यावर्तिनः उदका ॥ यस्मिन्निष्ठा उदकागमानां मन्त्रानदीय उदका ॥ उदकं
 स्थायनं ॥ कुरु समं यत्तदानीं ॥ अत्रुदिसंध्यावर्तिनः उदका ॥ यस्मिन्निष्ठा उदकागमानां मन्त्रानदीय उदका ॥ उदकं
 यद्यिहा ॥ यत्तदानीं मन्त्रानां नरुय उदकागमनं कुरु विद्युत्ति ॥ दृष्टुं विद्युत्तु यत्तदानीं ॥ नमस्कृत्य उदकागमानां मन्त्रानदीय उदका ॥
 यद्यथा वादयिष्ये ॥ किमंगयत्तमर्थं कुरु मन्त्रानदीय उदका ॥ यत्तदानीं मन्त्रानां नरुय उदकागमनं कुरु विद्युत्ति ॥ दृष्टुं विद्युत्तु यत्तदानीं ॥ नमस्कृत्य उदकागमानां मन्त्रानदीय उदका ॥
 कर्मा ॥ यत्तदानीं मन्त्रानां नरुय उदकागमनं कुरु विद्युत्ति ॥ दृष्टुं विद्युत्तु यत्तदानीं ॥ नमस्कृत्य उदकागमानां मन्त्रानदीय उदका ॥

[illegible]

पूजयित्वा गजद्वय उदकमाश्राय्य गायत्र्या त्रिसंख्यं वायुस्तुतौ गीतं नायसंख्यं । उत्पसंख्यं मकरद्वयं कंदस्मि । दृष्ट्वा दत्तं गायत्र्यं चंद्रका
 तितिवत्तदसंख्यं उदकं यजिष्यत्तत्रियत्वा वदुदिसंख्यं मणि । यत्नं जज्ञवाहना वंजं मणिगते नदसंख्यं सदा मणिजन्यं वनि । अथ खन्यत्
 तदवगच्छत्तत्रादत्तस्य गदरुवत् । किमथ ममातिदसंख्यं । सदा मणि । नादकं नयुध्वा वनि ॥ गच्छात्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 रुच्यं निनाय जियिषिषि । मम सत्कायं रुजं नयति माणयनि । यत्नं तं मदं रुजं नयुध्वा वनि । अथ खन्यत्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 यत्नं जज्ञवाहना वंजं मणिगते नदसंख्यं सदा मणिजन्यं वनि । नादकं नयुध्वा वनि ॥ गच्छात्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 हिनः एवं वदत्तं गजद्वयं वाहना । एवं वदत्तं । यत्किंचिदुच्यते दृष्ट्वा तिसंख्यं रुजं नयति । मा गायित्वा गुरुगुरुगिन्वा दासीदा

७०

समकर्मकं तस्मात्कुरुता । सर्वमकुरुतः यिउयित्वा जज्ञा मन्त्रसादा स्मिदृष्ट्वा मदं नाय जज्ञवाहना यत्नं विसर्जय ॥ अथ खन्यत्
 जज्ञा मन्त्रादा जज्ञा । दृष्ट्वा तिसंख्यं रुजं नयति । नादकं नयुध्वा वनि ॥ गच्छात्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 यत्नं जज्ञवाहना वंजं मणिगते नदसंख्यं सदा मणिजन्यं वनि । नादकं नयुध्वा वनि ॥ गच्छात्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 रुच्यं निनाय जियिषिषि । मम सत्कायं रुजं नयति माणयनि । यत्नं तं मदं रुजं नयुध्वा वनि । अथ खन्यत्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 यत्नं जज्ञवाहना वंजं मणिगते नदसंख्यं सदा मणिजन्यं वनि । नादकं नयुध्वा वनि ॥ गच्छात्तत्रादत्तं वदत्तं नमस्तस्मात् ॥
 हिनः एवं वदत्तं गजद्वयं वाहना । एवं वदत्तं । यत्किंचिदुच्यते दृष्ट्वा तिसंख्यं रुजं नयति । मा गायित्वा गुरुगुरुगिन्वा दासीदा

ल्यादयानतसिखिनरुथागकः स्यादगः संभावंवृद्धस्य मज्जकाजममयनाम (धयंष्टनयमगोत्राकउयुधकनि।यनूना
 मदमेवांसम्पातां।उंहीतंयुगित्यममत्यादं।धम्मदमयं।नतसिखिनरुथागकस्यादगः संभावंवृद्धस्य नाम (धयंष्ट
 वययांकनवममयनकस्मिंज्मुदिधविश्रादही।सत्तातामरुके॥कविर्कमदायतिमरिगद्वयत्रिकविकसयनि।अर्थ
 नृपुनऊनवादनः।(गदियुक्त्यां वजायामुहीयादोजानु मागांयुक्त्यायुवय्येवंवादानमुदानयामासा।नमस्तुत्यरुगा
 वजातसिखिनरुथागकस्यादगः संभावंवृद्धस्य युवयोधिसत्ववयावतमानसाउवंपुनिक्षानमरुगायकविद्वयदि
 रुमनयकाजममयः ममनाम (धयंष्टनयमगोत्राकउयुधकनि।यनूना।युयंविभतांसरुगमयांसुदयद्युःअथखनूजन

नवाहनः।(गदियुक्त्यां वजायामुहीयादोजानु मागांयुक्त्यायुवय्येवंवादानमुदानयामासा।नमस्तुत्यरुगा
 वजातसिखिनरुथागकस्यादगः संभावंवृद्धस्य युवयोधिसत्ववयावतमानसाउवंपुनिक्षानमरुगायकविद्वयदि
 रुमनयकाजममयः ममनाम (धयंष्टनयमगोत्राकउयुधकनि।यनूना।युयंविभतांसरुगमयांसुदयद्युःअथखनूजन
 नवाहनः।(गदियुक्त्यां वजायामुहीयादोजानु मागांयुक्त्यायुवय्येवंवादानमुदानयामासा।नमस्तुत्यरुगा
 वजातसिखिनरुथागकस्यादगः संभावंवृद्धस्य युवयोधिसत्ववयावतमानसाउवंपुनिक्षानमरुगायकविद्वयदि
 रुमनयकाजममयः ममनाम (धयंष्टनयमगोत्राकउयुधकनि।यनूना।युयंविभतांसरुगमयांसुदयद्युःअथखनूजन

नाजाकिनिज्ञाथाजाकिनिज्ञाथाउजाभजन। अकथत्रिदवः३ःखदीमनसायायअनिनधाक॥ कवत्रसामदना३ःखस्वध
सातिज्ञाथासुर्वानि॥ ॐ गेहिंकाजदवकनकाजनकनसमयनउतवादनः। अष्टिदुसुसुवांलिथिइतिगनानामेसा
धामिकथयलिस्म॥ अष्टिदुसुसुवांउजावहनः। गतरवचयुननयिस्वदहमेनूयाक॥ अथायजनसमयनउतवादनः॥
ष्टियकामहात्मवःयतिउंममदात्मसमरुमयनसयिगः। गनवकात्रसमयनमदातिमिरु। वाइरु३४यगस्याताया
अत्ययनमानि। दसमसाहसेमानिकानुगानिदधध। अयंलिंसेमेसतागगायामृयनानि। महायावनामांधेयाभव
नूय। अकम। यतिविगकीउयनः। कनवयांकसतकमदउनाः। ॐददवयगयलिं। अष्टिदुयत्रा। गस्वांमदेगेरु३॥ वयम

स्मिन्बद्धोयदसमसासदुजानरुवनाकवयनिर्यगानिगगाऊनवादननः। एहिदात्रकनयुरकनादकनसकवि
गाराजनवजनः। यगरेनयाम्माका। यकिरुसत्यादादधर्मादधगात्रतमिखिरुथागगसादं। सुसंसाकावदोसा
यंआविगाकनखंनूयुगे॥ फूसुतवदुनांगनपुहयनयनवयंदवपुययना॥ यनूनवयंयनऊनवादन। एहिदा
तकसुनाउसंकमम। उयसंसंकमगसायुजांकजिष्टम॥ अथगानिदसदवपुगसदुजानिदवपुगयकिंसजं। हि
गानिऊनवादन। सा। एहिनाष्टदगष्ट॥ कनखनूयुने। समयनऊनवादन। एहीउपुगयनससयिगः। गतोरेदवपुजद
मुकादातसदुजानिगीत्वाकसुधिनानि। दसमुकादातसदुजानिदहिनेया। गिस्तायिगानिदसमुकादावसदुजानिवा

मया (वस्त्र) विमानि पृथक् पृथक् जानुमातं मादातव्यं यथावत्प्रावयन्ति । दिवा त्र उरुया पुत्रादगा । यतः सर्वे ऊर्ध्वदा
युगि विवृद्धी अथ ऊर्ध्ववाहनः । अथि पाणि विवृद्धी अथ गानि दसद वयूणि सिखण्येथ नाप संकाकुनि ।
वद वयूणादः सत्तय जयुत्तया विदय स्थानस्था नाना रमादात वयूय वयये गाय नागवी संरुवा । यस्मिन्ति निग
नाय संकाकुनि ॥ मृगयु कतिन्या मादावपुष्पं पुवत्तय न सुगण वादिगा । पुनत्र पिंदवा जयं गवा गय वः रिका ।
मउत्तरे नमिस्मकी दं गीस्म मय निवा नयं उस्म ॥ मदी गी सी राय नू म नर वः रिस्य । ऊर्ध्वदीय वत्ता पी पुता गा
रुगा अथ खनुनाजा । उजध नयुताय न कम मद्रा मत्या मृदुति किं मथ म मये नागी व गानि ति मि गानिः या इह गा

२३

निराववाययव नूद वाजामिया कऊन वाहन स्य । अथि दात क सावत्ता तिम मुक्ता दात सय सानिः यव विमानिः
दिया निव मादात वयूय वत्तानि उद्धी गो नाजा आद ॥ रगवना ऊन वाहन । अथि दात कं विरय वव न नय दाय य
अथ गय कम दामा लोयं न ऊन वाहन स्य रदं न नायु संकाकु । उय संक मऊन वाहन स्य । अथि न ग द वा व ॥ ना
जा सत्तय नयु समामय क ॥ अथ ऊन वाहन । अथि मद्रा मा धी सादय न । नाजा सत्तय नयु सत्तय नाय ज अम । उय स
क मा का न निय र्हा नाजा पृथु गी । अथ वाहन किं ति मि रं । जानिया य दय ना गो ॥ दू अति उरु ति मि र्ही निरु ।
नीया इह गानि । अथ ऊन वाहनः । अथि ॥ उजध नयुत्तया न द वा वग । जाना दिद व नि य मंद म म स्य मद्रा सा वि ।
का नाम जानि ॥ नाजा आद ॥ कथं जाना ति । ऊन वाहन आद ॥ गृह उद व ऊन वा वत्त स्या मद्रा यय क ति नि य स

॥ किं गानिदममस्मादमदसासि जीवन्ति अथ का त्रय गानि ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ अष्टि
 वं ज्ञाना वरं दा ज्ञाना म न द वा व न ॥ सि यु य ना ट वि सं रु वा य क वि न्नां य थ ॥ किं ग व द्वा ज्ञान वा ट वि सं रु वा
 यां य क वि न्नां य थ ॥ किं गानिदममस्तु मस्तु मस्तु सासि जीवन्ति अथ का त्रय गानि ॥ अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥
 एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥
 वयं य व यं द द्वा य न न यि नि वृ क्ता यी रु ज्ञान द वा व न ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु
 क स्या नि का दि दं व व नं गु वा य न ना जा स न व न यु रु क्ता यी रु ज्ञान द वा व न ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु
 या ना नि द म म स्तु मस्तु सासि जीवन्ति अथ का त्रय गानि ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु अथ ज्ञान वाद म ॥ नाजा ॥ द ॥ एवं मस्तु

२०

नावी द्वा नि उरु ति मि क्ता ति यार् र गानि ॥ यदस्मा कं द्वा व त्वा नि सं म क्ता दा न स द्वा सासि दि वा नि द्वा मा दा न व द्वा सासि
 य व ति कानि ॥ अथ म ना जा रु द्वा उ द्वा रु म ना व द्वा ॥ अथ स न रु ग वा य न नां द्वा वि स त्व म म व मां क्ता द व
 का म न द वा व न ॥ सा ख न यु न यु मां क्ता द व न रु द्वा सासि न क्ता व न न स य न स न व न य रु ना म ना व द्वा न त्व
 न यु न व व उ र्ग यं ॥ ग क्ता सा द्वा ॥ दं द यो सि सा क्ता कानि न क्ता स य स य न व न यु रु ना म ना जा व द्वा ॥ सा
 ख न यु न रु द्वा द व न रु द्वा सासि न क्ता कानि न क्ता स य स य न व न यु रु ना म ना जा व द्वा ॥ सा
 ग क्ता सा द्वा ॥ ना जा उ द्वा द न ॥ स न क्ता कानि न क्ता स य स य न व न यु रु ना म ना जा व द्वा ॥ सा

सारुमसुवाज जजवादनमममवेनययतिवकीअष्टदय ॥ १० ॥ अथनयनकुनदवकयतदिताथायास्मर्त्तुनेत्यागम
 विष्वाधिसत्वरुनरविमवा। मरुथमिदा। दिविउविविस्वगवियज। विमत्तविविवित्रयसमुक्तिना। ६५ गिरुना।
 अतदयनवजयनाकमारुगवांशिरुसकमरुमयतिवगायकविधवत्रुआपायंवमयंसयजनपदजनपदवाति
 कांअत्रमा। १०१ नागसवयउमनूयाकावत्वे ॥ सगकदेदसतिगर्त्तनीससाधनगजविविधः कसमयनिमदिना।
 यथिवीपुदसं देवरागावांयुअंनतंमामरुयुकेम् ॥ रतनायमानपुयथिवियुदसाअस्मिंचासमीकम्हानि
 हासंहायक। १०२ दिगधावगसासनायहायहायय। कुरुनरुगवंउआरुयासनंउहाके। यहाका। यहाय

२३

वरुगवंनमगदवावरु ॥ १०३ ॥ यदुयमासनंरुगवनीमीदउरु। १०४ ॥ नानंवनदवाजिष्टमाउवदयमममृग
 काथाविमृजुत्वांदिगाय। रुगवंनिधनविययको। अथरुगवांसाभिनासननिवयतिरुनामरुयक।
 स्म ॥ १०५ ॥ अथययंरिउवा। १०६ ॥ नकाजिकाभाः वाधिसत्त्वानांमजानीउहं। १०७ ॥ अथकुरिउवा। रुगवंउमवगवा
 वगाअयंजिखिवनकानयाय ॥ सत्वाथिसानसमद्ययंतिनगसाउदमम्मारिजम्हीत्ययजिमृजुनसिमा
 साः कस्माध्वयानमा। अथरुगवांसदसाजवकवननः विमिखिनगसनरुतिगा। नवकामत्रका। १०८ ॥ यथि
 नाधननीनज्ञानायादेगमारुनयद्विकारंः यथिवीववाज। सतिनकनकनउगयुगंवसुयं। गकाय।
 गगासा। अथरुगवायायुआमानंरुमगयकम् ॥ विषयटयानेउममय ॥ अथायुआनानेडा। रुगवंन

दृग्जनयुक्तकमनामदान (धोना मृत्ताज्जलगा) कसादवकृमात्रमद अरुय। युगाः वरव॥ मदायुतादामदादवामदासत्तव
 (धिति॥ अथ नज्जाकी गठमद्यानिमलितिकुमकसं॥ कवकृमात्रमिस्त्रायातसो। उ नानुनाधिकया। कसमज्ञात्रयाव। ॐ॥
 रुकाः नुविवतमातामदादादसवनउमयुविउः कयुपुसकयुमात्रावस्यका। अन्येन्यपसकावरव॥ नाउकृमात्ता।
 रुहा। उद्यानमदयामत्रुिनायागं। द्वादसवनउत्तं पयिविउ। अथमदायुअदातरुदय मवाव। लिमददयमा
 विर। अथिष्टुमिमावययधुदेविनासमायेधम॥ मदादवउवाव॥ नमरयमल्याविउ। ॐ॥ दृग्जनयुविमासमाद
 दयववरु॥ मदासत्तवउवाव। नमममरयमीदालि। नावि। मिकावनवसमीतिजनसंउगाः विविर्कयुतमसवि

२६

दृग्जनमदायुतादामदादवामदासत्तव (धोना मृत्ताज्जलगा) कसादवकृमात्रमद अरुय। युगाः वरव॥ मदायुतादामदादवामदासत्तव
 उ। मकादयुसगां। यंकफुगयत्रिष्टुगां कुरुष। यति कयिगा। यतमरवतसतीतां। दृग्जनमदायुतादामदादवामदासत्तव
 यस्विनिमज्जादयसगावामकादयुउगावोरविष्टुमि॥ ॐ॥ दीनोराजनमत्रुमानासेवेगानां रेयिउयिष्टुमि॥ जिघं
 सयांकोनं कतिष्टुमि॥ मदासत्तवउवाव॥ किमसात्तयस्विनाराजनं। मदायुतादामदादवामदासत्तव। मात्ताउष्टुनित्रुविनालि। जस
 उकागुरुवयादिदृग्जनउचुलजनमका। यादुक्तकृतिष्टुमिदोनां। मदादवउवाव। दृग्जनयुविनाकुरुषयजीगसतीतामस
 यासावय्यमायमेनेष्टुजा नसकमनयास्वानलेजनमत्रुष्टु॥ काः साः ॐ॥ द्यानयत्रिष्टुनार्थ। आत्मयतिष्टुगवृयादिगोम

दासभादउवाच॥ विरुद्रकत आत्मयतिश्यामः मदासत्त उवाच॥ अस्मदिभानां शकतं शरीराणि युक्ता नाम ज्ञा वृद्धा नाम मृत
या॥ अनायायं न ज्ञा मयतिश्यामः शरीरे नृधना यतदि गालियका ज्ञां मय नृधनां न इके ज्ञा॥ अवित्रेक्या कनन मेव गार्थः
सत्वादि विवदत रयक। स्वदेसदे गयुक्त कननि निविकातं। मदिग मनायत जि विरुद्र शरीरा अथे गना ऊकता। यन मसदीका
पखा वा छा० गे इम मति मिम म नृती नि ऊ०। युच क मरु गो मदा सत्त। म्पि उदया॥ अयं मिदा निमा मयतिश्यामः शकतः क
टा उ विरुद्र मयि रता यं युगी काया मरुदीद। सय न व सना ने ऊ ऊ ने थ। स ग न युक्त ग ध मरु उ ना रु व न गुं न वि उ द गि। अ न व
वैध स्व ल व रु उ द्युक्त॥ अ वि व ना मि र म्पि य जा बा॥ स र्वा मा म थ रु ग ता रु म द मि दानी रती सती सति या र्था। म स्मि ज ता

मनसः समुद्रा रुत न ता न उ मा रु वि स्थ मि॥ अवाच। एका द द उ ह गं रु व स ग का जि गुं वि व स ग रु। य प्रे नि। सा ज रु नं का तां ह मि स
ग र्जा नि म का य रु रु ग नू दि न निः। ए कां नि वि का तं ति नृ य धि म म र्ज था न उ द्वा दि रि उ लो। सं य प्र धि म्म का यं उ न स ग रु जि गुं।
या य्वा उ वं स र्धः सं य त्वं क न वा व सा या। य न म क नृ ना य ति ग म द्द द यः० उ था वि उ यं च का त्ता॥ उ द्गुं व रु व गो म्म का र्थि।
ना रु॥ द्वा द स व न उ ल्मं पु व ऊ मि मि॥ अ थ स्म द्वा स त्वा प्रा ज क मा ज। म स्मि इ पु व ना य गि ति रु रु वा द्वा ज य मृ पु त्रं ग म्म।
व न र्ज मा य्वा उ व र्ज न म्म रु य पु ति धा नं च का त्ता। उ था दं ज ग ना दि गा थ मि न रु ता वा धि वि व द्वा। सि द्वा का नृ त्या उ द
दा मि ति ध्रु म मि दे रुं य त्ते उ ला जं ग म्म धि र्ज ना म या जि न उ मे व र्था वि ली नि द्वा ज मि ना कुरु व मा य ना पु गिः रु था
रु ली नृ य य म दं॥ ०००॥ अ थ वा डा अ रि म र्धं म दा सत्तः० उ उ रि नः० ग ना वा धो मे नी व रु दी वा धि स त्व म्म नः। कि वि र्दः

कृमिनां वा विमृश्यात् स्वतः वक्तव्यं यथा श्रुत्वा यत्संख्येयं कस्मिन् ॥ कृया मगिनं कचिदुत्तरं मज्जरु ॥ सा निवृत्तां वयसं
 कान्दं सना कां गृहेत्वा गदा स्वगतं न केचिन्वा पीसमीया युवा ग। पुपनिवमा उवधा विमत्तं मित्रियः यवज विदि।
 नवतोः सति गगधे गगाधो दि का जं यव वा ज ॥ त्रा रुग सु ० वदिन क त कि त्वाः नवगा उ दि वा यु ध वृक्ष स मि
 सि त्त व क र व य य वा ग। अ धा न्य ग ना वि स्र या व जी ग स त सा द व गा वा वि स त्त ०। द्वा त्रा य श्वा का नृ चं ग व वि स्र ग
 सि द्ध स त्त य स व न ॥ य धा वै ग द द र्थ ज मि न त्रा त य। मु दि ग। सी वं य ह्म नं उ न नः स त्वा (धे वि त्र दि गं ति
 जा या स भ कं। च मि द न वि हा या य। मि उ रं ॥ अ न श्र व न सा या धी नृ वि त्त म डि ०। स ती वं वा वि स त्त म व म

१००

मूद्रक मा क ल नि मा ल नृ वि त्त म ह्म व र्ण यं व का ज ॥ अ ध स द्वा य वा द स र्ग मि त्त म्म म नृ नि सं म म द्वा द व म न द
 वा व न्ना य व वि त्त म मृ द्वा सा ग त्रा का य (ध यं। व स म गी द स दि रु स क ज शि य उ र्थी। क द मि स क ज क उ मः व य वा
 क रं वा म ना मा श्र ग नृ नि द्ध वि द्द ट्वा स य तं रु र ना मा। म द्वा द व उ वा त्रा ॥ य धा व स का नृ च व वा द्वा व र्ण स मा
 ऊ र्णा। स्त ग न य रु उ र्णा य ना व रु धा वि गा व स न ग र्हा। स्म नि ग म उ र्वा ना मी ति नि द सं ग यो उ मा अ य मी ना ज क
 मा नी द व म ध का रि रु गो वा उ य ति यु प्र ना। ऊ र म नं य ह्म नं उ ति नि द र्थ य द्वा ना वा सा म मा यु म ना रि रु ग उ
 उ द अ य उ। व स न ना स मा यु क्ता वा व स नं रु र्हा वि रु ग ति वा धि नि नृ मि धि न क द मा ति ॥ ना ना दि वि दि रु

कमाविमोक्षदृष्टावाममवृत्तारमोतिवदुः॥सविनामंरुमृवज्ज्यासुष्टयाववाकुरुतेओस्तंममव
 उअरुयियताहकयासिवायंगथाजनेमिमतवमसायाएदियगसाऊननीरुतिय॥कवायवात्याक
 मनायनऊन॥अदादिअस्माकमिदेव॥अरिगंमनुयदएनसजिविगंकथंमदासताविजिगावर्यदास्थ
 मरुदसनामम्वगागया॥अथमनाऊकरोवडाविविवकनूयांविनयववकउ।रुक्रमानस्यायस्वाया
 कादिसिउप्रावगाकनात्येव॥अनेथनंदहवउपके।कोकमातःगि।कस्मिंममयदेविसयनन
 नत्रपगायियनीपुअयउचकांसापुददसा।कयथागनादिदमानादकायागनः॥अकिचमाननयंकिधो
 नअवकाउगि।नरमानासुलीगासुन।नोचिदमाना॥अथदवीरुमिकयाइरुसदयया।नरसाउनि

१०१

विवृथाविक्रियजावरुवा॥किमवाहकवाउिऊननि।धिवसेनाकांयिनिरुमंसर्थो।सजोतनमि।ममवकवंःरुतजावयाविवन
 उवानरः॥अकृवीमि।अवात्रकि।वनयनंस्वगतांहेयगिवास्तकिमसा।सुगानांवनविवनमिदं।कीउनाथागगानां
 ॥अथेवंविकुरुवदीवसंगानांनरुदयापविशःदयानिददयामास।दविक्रमात्रयतित्राजका।क्रमात्रमचयकः
 नरु।अथगउउदकसवनाचदवीसंकमि।नरुदयावायाकननयनवदनाजाजानमरिगुम्मावावा।दवनक्षमयिस
 नाउयकजाजायिसंकयिरुददया।यनसंरुसमायद॥दाकहोविमृका।मिमृका।मिधियनन॥अथनाजादविगाम्नाम
 यास॥मारीदीविपुगाथवया।क्रमात्रमचय॥अनरु॥उउउरुक्रमानाथेवसा।रिदुऊनकाय।अथावतादवना

माददगुरतउवागधुकोनाऊकुमाताददराजाउवीन॥ एनाआगरुकोकुमाजोनउसर्वाहाकदसगविद्यागमानामत
कीतिनूयनं।रनयोतिशवननातां।रवनि।सगविद्या।आद्यादसंमतसां।ननूवनसखितसुधनयूसारिआण।मनन
मपुमानावायनजिवनियुगा॥ अर्थद्विवेकनम।आकारिमगायि।ममदगवकजहाअकस्वप्रमुवाव।यदिगनयास
यहय।वमवनवजकतपुविहा॥ असददयमभाससुमी।सुगमतयायदिदवेग।कनीयसमगग।उयावागनयान
गावेतत्यजिएयुगासक॥ कुमातायतिददुमिसा॥ कताजकीकतियसहंगि।रुद।आकारवसइदिननय।नोय।
जिउककागोवाहदसनवदनेनकिविइउ।दवुवाव॥ कथयनीनयुविमइगिस्मानिदयवमरसी।याजिपीग।

102

वददांकसममयुगसुगोयमिदंसुजोटेडिगंसमुवतिवा।अथकोकुमातोविस्तृतकंवर्कनः।तिवदयामासउ॥ सदस
वतननाजादवीजनाद्या।मादउवमोदमुपगना।मादपुणागुतावकनुभाकास्वतां।नउमानासंदसमहिउसम।अथ
नाजादविद्यगातस्थिति।अयगगनूधिनमाससायुजिगिदि।मा।विविदिसवकसविकीशुः।दक्षवाहगहुवउ।मादमा
नियुगिमी।गुगायुनादिगः॥ उवित्रनामवसुंदराता।मजयवंउनायंकेनाहादयावगजोनंकेयेदमायास॥ अथु॥
विज्ञाससंझामयुनगना।सहयकनूनिवितलाय॥ हाकदयुगकममानमदसतिय॥ मृणावसंगीयुमृपगतासिंथा।
पस्ममावदिवागनविनिगयजममरविथकि॥ ३ः दविद्यमाहायुगागनापुकीशुकीसिवाहृयांउजसुउयनी

मन्त्रा १२ वृत्तसमाधत्तयास्तुतिवर्णातामदिरावतवृत्ताकतगीवनहृत्तावकाकनृगकनृदादिगोदाकाकधि
 यमगकनवृत्तामृतायधम्माधत्तगीनजदिवियकीर्णः सकस्मउदियतनागतायः युगामतयतमनादतंचउदिर
 सतीतयुगिदुतयतालिजामयथा मियंस उवतंतिरुगंयधियां ॥ सवकंददययथायमयगंधिचिसतमवश्चनावि
 रुदोदाजैकस्यायकंस्वयसहजयधुदयमददयमदकधिवसिग ॥ स्वप्रासेकतक्षोस्तोदंक्षत्वादमयिससगनाय
 यतायीधुमगससयनतायदुगायधिवदंक्षमजधेः कयोमिहिति ॥ सामयसिहितिनामेउंययतिहृगानकादगामउ
 ना ॥ अथनाजादविववद्रुविधंकनृत्तकनृत्तयजिदवगाससवविनश्चनवमुचामदागाजनकायस्माध्वयुसासतीन

१०३

पूजाकृत्वागमिन्धधिवि।य।यसुवधूमयावेयसनास्तानिगातिथजाति।स्यारुनखनृमूननादाना।सुतनसमय
 नमेरुसत्तानामनाजकामाताइरुग ॥ नेवडधुवांगत्तात्मादगात्रदंसकनकाजसंनरुनः सुनयनमदासत्तानाम।
 नाउकृमाताइरुवत ॥ गदायिमयानंदः नागद्वयभादायतिमुर्कनः नत्राकादिरिधइरुः खेइरुयायोउममरु
 दिगा ॥ किखत्रयुनजिदानीसर्वदायायगसंमयकवर्द्धनति। एवंदि एककस्यसत्तयाथकत्यसमुदयतनकयुदा
 जाकिंसंसाजागविमावेययं। खनृसत्तागाधेवउगसातिटदिकं। स्फुटमनकाविधविधीगमितयथः रुगवांगत्तयाव
 जाया।मिमागाइरुअतायववद्रुकत्तानिमयामरुके। यथयगा। इममयवाधियथासिनाजायधनाजसुगल

(थेवगकमयआमरावा ॥ सु नमनामिदूजिमासुजागिषु। गस्यावियुगामदय्यावको। नाछामदासुववजावहवा ॥ क्षोमस्य
 अमिदथगगतोवा। नामदादवमदयनाद। वनखंदगतानममयुगता। नंदसुवाधीरु। धारिरुगा। गस्याउमत्वसाकृया।
 निजागायनगादआत्मयजंयमासंगुस्वारिवाधिगयधीठिनात्वादयः। एनातिस्वमात्मजाति। यगिनक्षसीरुजाः सम
 दानथसगामदासत्वाददावावा। धीरुधालीवाधुगामाजनामययत्रिकतः। धिगसलोमधनलीविहग। यंउसंघवि।
 विधानिसंगुस्वाः मृगसंघसुदाकृजसंस्तिगावरा। ज्ञातायदीगस्यउगुजिदमदायुभसुआव ॥ ननरुगिमदासत्वाद
 हा। उरुमदावमवजसिं। अगि। अक। अयददयाविवनकिवतामजः। विसंहाधययकिआकतं। अउमखानिविव

१०४

किवननधउरोगोनाजकृताः मदायनादसुधामदादव ॥ नगायसंकमितायउवाधीसउवनासयिना। यादीसगांदहनु
 धिजनिदंमानिकसास्तिवर्ममागु। धनन्यामवकोशयकिगतिददावा। यकिकिमाउंनस्ययुगिनः धनतियंयथांगे। उरोगे
 नयसंगोसंमुष्टिगोदिकउयउनि। धननीयंनहमनासवयांउजजातिदयगता। समीदियविहितसूधविहोथि। गखावया
 यथाकप्रगस्वनेनादमानाधकाना। सिंवनिगजताताहिगाद्वेवाहन। वकदत। गस्मिंदगिउमागता। अमजुनविधियाग
 मादियिकथमिगुगहि। नाउकृतानगगाउखयविमकाया। गायोसुनालाकीनसमकंपसवगावये। सवीगस्यादिउवि
 रिनिवहिद्यामानाधिः अगि। अकयुधददयायुगविद्याअरु ॥ एगकसत्तविहो। उउसंकमिताउपगिउं। धिनमनसाकिग

१०५

नायूनगनायकनृपशतंतादमाना॥दृष्टानामगमदिवासमुच्चितयतिर्गःचक्रुधतवीयःसमनुतथकात्रयुजाविद्याग
 म्यमनश्चानाददयामाग्याययुकाजिह्वासाधनगा॥कामोत्रावांसर्वनेगतागजानानासकृष्टादिशास्त्रिगा॥गधअ
 युगा॥याममुखातादमाना॥दृष्टुक्रियथेयुगगदामर्त्तकिजाविगावाकगग॥गीयगंसदोमतः॥किउयामदम
 यमनायांसत्तदगनयियमनायंतविननेवीष्टुगम॥अकवदन॥ययानिर्विद्ययस्मिदानुगा॥नेदनाकजा॥अ
 नकयायासकनातिधाम॥नाजामदान॥धाम्नायनादमान॥अकारः॥तिवक्रिगानेनधानः॥अंगमदिखांध
 लययकानिस्विक॥उदकनयावम्भनि॥ननरुत॥उच्छाययुष्टुतदीनमानसाकि॥ममयुजादिमगा

जीवति॥ राजा म हारथि यम दिव्यो नृपुत्रं श्रवत्वा दिवि विदि सारमाऽप्ययथा जिह्मं धिगुगा कमाना न
 माहममिदं नमाना साहजादि नवसि (आक दृष्टं) ॥ १७ ॥ मन्त्रा नथ श्रुत्वा यद्विद्या गदायममदी स्वाव कं
 तिकमना जगता नाथं शुभ्रं स्वनादमान (आकाशं) जमना येन यद्विद्या अदि नमनसा दिव्यं वरुवा नय
 मजगमयुतगा ॥ १८ ॥ साध्या यमाया यमा वावदुपमानिः स मय ह या नय दृष्टा वा उ मा नाश्रवति ॥ नियुं ८ १०
 श्रवा जनेना साहृष्टं ॥ सनत द्वा ॥ समन गत निद्या ना जा दा समान नथ मम नृ सा दि शायुग कन ॥ यद
 नार्थं यद्विदि सगा ॥ १९ ॥ जनेन यना दृष्टा नृपुत्रं नृवा मुदि गयी यव नृवि विद्याय ना तिर सवी तीतां

१०/८

यन्त्रं नादमाना गच्छंदा नृप (आकाशः) सनाक्षम हारथि सा ॥ ददयात् ॥ अउ नृवा ज्ञा दमान ॥ दिवा उद्वेवा द
 यउदेन ॥ अथा नकसाऽमायमहवनागत्या ॥ गार्धमत्रा वर ॥ २० ॥ संक म्प नृप के नाहः मेहा जथ सा गा व वि ३ ॥ मा
 (आकाशं) त्वं रव नृपुत्रं कि ह निगे पूजा ॥ प्रियमनायाः न विनयामं म्पुः दृष्टा व अत्रि कद अ सित पूव नं मन
 यः मुद्रा रुमा केन सिता मा ज्ञा ह दि गियो मात्य आ ग म रुथान ॥ न ज व की र्ण मने व सु यो वृग ॥ सा ३ म्पुत्रा ज्ञा ना
 सिदमव विदिगी ॥ दो व नृपुत्रो म हानि पद मि ह ॥ २१ ॥ आकाशं नमय दी यो ॥ २२ ॥ कुरु व नृपुत्रं व जान ॥ २३ ॥ य
 सा म हार सत् ॥ अनिरा माया दृष्टा व वा याम वि नृपुत्रं ॥ या यी व नृपुत्रं म्पुत्रं क का मां ॥ गवा म हार सत्वा व नृपु

माना मदानका नृपव्रजं जनात्वा। वा (व्यो) वरुता पलाटि सुडानां सदा विसृता सिद्धवा द्वियेष्टा गंवा विगंलीत मः
 दातमिष्टा अनागता धनिदंष्ट्र (ययं) यतिनामदा सत्ता यिजिग उ उसा यिहिना वाया अयाली माया। मूहू को
 निमांसकन ॥ अमगजा सहा संकन जा जयं ॥ एवं फत्ता सवव ४ सधा जं समधि गोता जमदा जधय। उतिगवधत
 दीयविनेष्ट विरु। अका निना यजा जिगं उदा नृत्ता। आमायां यो यया कनूता स्वज शा उमाता ॥ अका नसिंचति
 अतला सवीहि नद्ववा हवक दमाना गरीय माया नृपमवत ॥ दक्षे मया उइशो कमा जो समुचि गो। उउमदा व
 लासिं यतिगोधत यवविनष्ट विमो। जस्माते नृपकनव। सिचिही नि। या वर। स्मृतिरुयूतहि गोसि ॥

१००

आदिकय यतिदी सधकसं। मूहू को गिद उमिरु मो। कनूता यजत यतिदवय निगा वृद्धवा हसत गहिदिनि ॥
 वधु मूदिन यनव ना गजस्य ॥ सवेवना जा हदिदी न विरु। यउ विद्या यम विजिग विरु। अक यविद्धो यतिद
 वयित्वा। एवं हिता जा यतिद वयिनि। एकध मय उ विद्या मनाय ॥ गक्षा। अनिहा वनजा असन मां मः
 अतवदो दिपु गो। अका निना जा विग सं जयं वजने ॥ यनूनदं गो ययजं। उउय ययं यो वियसना ग।
 । यो ययामेतवः जा अका नि यवसय दो गजा न गोद्यं। माय यमा उदि विज न उका यं अका। निना गद
 दयं सुदुग। प्रगो वदहान जा सका निन विविना तरु विद्यायं। ना जा यिवा माय उ। नय अहं दि याति

ब्रह्मोपक। कथयसिउं। दद्याद्युतोसउत्राममदिकनृत्तस्यजंकदिक। आरुमान। नाजायिनपूठदाया
 दृष्टिहा। यथादमानाविद्युतावजिगा। सागीधुतनमाया। नृपादवि। जदसननयउकामा। अरुंधमअ
 कमतिरेथागा। पूर्वमेदासत्त्ववजावरव॥ यउधजाहादिमहाजथस्यअनेववायोमखिगाहगासीका॥
 उद्धादनादिवजयायिब्रह्ममहाज्ञा(धोनामहेतागा। महिरवावजासाधनमायदविमहायनादस्ते
 मेरीआरुग। महादवजासिदधनाउयनामरुउगीजरद्विजकमाजरु॥ यायोमरुऊमहायजायनि
 । यायोउकायंवका। अमारिउव॥ दध्याउगाविद्युति। आसिग। अथेमहाजाजामहादवीवरुविद्ध

१०६

कथनायनिदवर्णश्यासथारुनानावमुचामहकाऊनकायनसाध्वयुगस्यमजीनपूजांकवाअस्मिंउदा
 (यकस्यमहासत्त्वसाहुभनसजीजायुगिहायिगा॥ अयंसकननमयस्फु॥ १॥ नउकनवमहासत्त्वने। अस्म
 वाधाजामहावयनिवर्क। उवत्रुयंचयनिधानंकनूनयाहृणं॥ २॥ ममयासजीनसायनिदसनोनामया
 निगनसमनिर्जाग। कनो४मयसत्त्वानांवृद्धकायवक्रजिगा। अस्मिंद(यनिदयमान। अउमयानासत्त्वा
 नांसदवमानुमिकायाः५जायाऊनरुगायांसमाकंवा(मीविरुमेयादिगं। अयंचरुउजयंउरुय। अयं
 रुयथरुनिदसनगाया। सचरुयावृद्धाविष्टतन। उरुवाउधानमनयापठति॥ ॥ सचउउतासारुने।

सवर्णसामान्यमस्य उदजाजयाजयजिर्वर्णनामानविसर्गिकम॥ ॥ शुधखनूगानिअनकानिवाधिसत्वसगस
 दमासिअनसवप्रजत्ताकेनयुं कटसुधोगनसुनायुसका। उयसंकमागसासवधूनत्ताकजयुं कटसुधोगनस
 यादोसिजसावोदेवा। एकाभ एकाउलिगानिकुगाकगाऊजिरगानिकं: सवधूनत्ताकजयुं कटसुधोगनस
 स्तविस्ववधूनत्ताजिगस्यकुकाया। उवधूनत्तासिगागसवधूनत्तागितिवासुनिउसवधूनत्तामूनिधूउजिवा
 सजजसिजजजज: उलिगागसविचिंउवांजजविचिगवजजविचिगिगांयंउविजाजिगकाकजजउयतास: सनिर्म
 संसागमिवावजजउवधूनत्तासवजजवधूनत्तासिधूनत्तागजिगमघघांसाहायजवगधूनत्तासजजजजजजज

१०८

विकनूकसजजिगांउनिर्मजं। उविमजंजजसयतां। युधवगजजसमजंरुं: जिजउविमजसतिनिर्मजसागजं
 जिगं: समनूसयसयउधविगंजिनंयजमसत्वदिगावकंयनंयजजाकयसुखसादायकं। यजमाधिसादायकं। उ।
 माधसाउदसकंजिनं। यजिनिवाधिसययदसकं: अमृगसाउखसादायकंमेधोवजंउययविधिवनं। नमजसा
 गजसवधूनत्तासमृदसागजं। वधूनत्तासकउकाटिरिहककउयविंइगवयकायिं। एगसाउयमयायकामिउंकि
 उयविंइउयाउवाकव। एवसमयविगयनसंवयकनसत्व: आसाउवाधिसुकां। शुधखनूविजकउवाधिसत्व
 उसायासनादकसमृकजासयकवाकसांउजिनजानूमजं: युधियायकिहाययनरयवासागजिजजजज

990

य विउद्वेवाडयविउद्वेवस्मि यमिरानुवृद्धयमधस्मि यथायगगानुवृद्धय ॥ तवागउन्नायनविउवृद्धय ॥
 ॥ अक्षमक्षानुवृद्धमनन गजसं अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षानुवृद्धमनन ॥ यत्र तं ॥ यदीहववृद्धयमिन
 सिनन ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥
 नृक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥
 अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥
 ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥ अक्षमक्षमोयनमनुवृद्धय ॥

१११

नित्यं यनिधिं कजामि ॥ संवृद्धयुयवदसनायकतं ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥
 जिनेस्यदसना ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥
 दिमदसनायसिगन ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥
 मदसनायसिगन ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥
 मायासती ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥
 सनायुक्तयवृद्धयमधस्मि यथायगगानुवृद्धय ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥ अथ स्याथ नित्यं यनिधिं कजामि ॥

[illegible]

कदमकंगयाशन ॥ सिधिरा ॥ पञ्चदमया ॥ सप्ततनीया ॥ वज्रवायी ॥ आधनवनिवाजंशन ॥ उद्धवा ॥ ३
देवा ॥ अथाशुः कथासिधिरा ॥ समया नाहिं ॥ उरं ॥ ५-॥ ॥ ५५ ॥





